www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 214 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
27 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:11
सूर्यास्तः 05:28
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 07

विशेष समाचार
स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा ... >> पेज 04
टीचर का इकलौता बेटा ... >> पेज 06
शोले के 'सांभा' की भांजी है ये ...

योगी बोले- अखिलेश जी, सपने देखना बंद कीजिए, विरासत में बुद्धि नहीं मिल सकती

देश में दो मियां, एक छोटे दूसरे बड़े : सीएम योगी

तंज

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में सीएम योगी ने राहुल और अखिलेश पर तंज कसा। उन्होंने बिना नाम लिए कहा-इस समय देश के अंदर 2 मियां हैं। एक छोटे और एक बड़े मियां। इन्हें घुसपैठियों से बहुत प्यार है। ये बांग्लादेशी घुसपैठियों को गले लगाते हैं। लेकिन दलितों, वंचितों, गरीबों और युवाओं का अपमान करते हैं। योगी महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने बिठूर पहुंचे थे। उन्होंने कहा- सपा की 2012 में जब सरकार बनी तो संत रविदास नगर के नाम को हटा दिया। आज फिर से भदोही को संत रविदास नगर कर दिया गया है।

अब काशी चमक गई है। अयोध्या और मां विंध्यवासिनी धाम फिर से चमक उठा है। अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया है। हमें अपनी विरासत पर गर्व है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएए का विरोध करने पर सपा-कांग्रेस से सवाल

योगी ने सपा-कांग्रेस से सवाल किया। पूछा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर आए पात्र हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदायों को नागरिकता देने वाले कानून का विरोध क्यों किया। अखिलेश यादव को एक बार विरासत में सत्ता मिली, लेकिन अब दोबारा सत्ता में आने का सपना छोड़ देना चाहिए। विरासत में गद्दी मिल सकती है, बुद्धि नहीं।

योगी का अखिलेश पर निशाना, बोले- आपको जनता विदा कर चुकी है

योगी ने कहा- अखिलेश जी आपको सत्ता एक बार विरासत से मिल गई थी। काठ की हड़िया दोबारा नहीं चढ़ती। आपके कारनामे को देखकर प्रदेश की जनता आपको विदा कर चुकी है। दोबारा सपना देखना बंद कीजिए। विरासत में एक बार गद्दी मिल सकती है लेकिन बुद्धि नहीं मिलती। बुद्धि के लिए प्रयास करना होता है। जमीन पर उतरना होता है। और आपकी हरकतें को देख करके मैं कह सकता हूं कि आप गद्दी तो एक बार भले ही पा गए लेकिन अब गद्दी भी नहीं मिलने वाली है और बुद्धि तो पहले से ही नदारद थी।

उत्तर प्रदेश ने प्रत्येक सेक्टर में अभूतपूर्व प्रगति की है। इसे और गति प्रदान करते हुए आज लखनऊ में आयोजित जीसीसी इनोवेशन समिट 2026में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर जीसीसी निवेशक और यूपीसरकार के मध्य समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान भी हुआ। 'नया उत्तर प्रदेश' आज नीतिगत गतिरोध का शिकार नहीं है, बल्कि तीव्र गति से आगे बढ़ते हुए निवेश, नवाचार और रोजगार के नए द्वार खोल रहा है।
समिट के प्रति हार्दिक शुभकामनाएं एवं इंडस्ट्री लीडर्स का अभिनंदन। - सीएम योगी

पहले दंगाइयों और भू-माफिया को मिलता था संरक्षण

योगी ने सपा सरकार पर दंगाइयों और भू-माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कोसी कलां, मुजफ्फरनगर और जवाहर बाग की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में आम लोग और पुलिसकर्मी भी सुरक्षित नहीं थे। योगी ने कहा कि बिठूर महर्षि वाल्मीकि की साधना, रामायण, माता सीता और लव-कुश से जुड़ी भूमि है। यह नाना साहब पेशवा और तात्या टोपे जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत भी समेटे हुए है।

बिठूर विधायक बोले- मैं सीएम से हमेशा झोली फैलाकर मांगता रहता हूं

बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने कहा कि यूपी में महाराज जी ने विकास किया लेकिन बिठूर पर विकास की गति देने के लिए विशेष कृपा रही है। सपा सरकार के समय बिठूर के भीतर गांव का दंगा सबको याद है जब निर्दोषों को जेल भेज दिया गया था। 2017 से पहले यहां टूटी सड़के थी, 200 गांव में बिजली नहीं थी लेकिन योगी जी के सीएम बनने के बाद यहां विकास हुआ। जो नहीं था सब कुछ हो गया है। लेकिन सीएम के सामने मै यहां के विकास के लिए हमेशा झोली फैलाकर मांगता रहता हूं।

- योगी ने बाबा साहब आंबेडकर, संत रविदास और महर्षि वाल्मीकि से जुड़े करीब 4 हजार स्थलों के विकास की योजना बताई। उन्होंने महिला पीएसी बटालियनों, महाराजा बिजली पासी स्मारक और रानी लक्ष्मीबाई की विरासत को संरक्षित करने के कार्यों का भी जिक्र किया।

रसोई गैस सिलेंडर की होम डिलिवरी पर संकट

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के बीच सोशल मीडिया और विभिन्न रिपोर्ट्स में दिवाली और धनतेरस से ठीक पहले एलपीजी (LPG) वितरकों की हड़ताल और रसोई गैस डिलीवरी ठप होने की खबरें तैर रही हैं. दरअसल, LPG डिस्ट्रीब्यूटर के एक धड़े ने 26 अक्टूबर को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है. हालांकि, देश के प्रमुख एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स संघों जैसे ऑल इंडिया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन और फेडरेशन ऑफ एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स ऑफ इंडिया ने इस अनिश्चितकालीन हड़ताल से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है. उन्होंने देशवासियों को भरोसा दिलाया है कि त्योहारी सीजन में रसोई गैस की होम डिलीवरी बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी. ऐसे में दिवाली ली और धनतेरस जैसे बड़े त्योहारों से ठीक पहले रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी।

एसआईआर पर सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए : ईसी

सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया

इनकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया। आयोग ने कहा कि SIR पर सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं। इनमें SIR से जुड़े 24 जून 2025, 27 अक्टूबर 2025 और 14 मई 2026 तीनों फैसले शामिल हैं। आयोग ने कहा जो भी फैसले लिए गए वह CEC ज्ञानेश कुमार, कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी तीनों की सहमति से लिए गए। कोर्ट में दाखिल एफिडेविट पर भी तीनों ने साइन किया है। यह हलफनामा उस याचिका के जवाब में फाइल किया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने ECI, CEC और दूसरे अधिकारियों को नोटिस दिया था। आयोग ने इस बात से भी इनकार किया है कि उसने फॉर्म 6 में कोई संशोधन किया। SIR से जुड़ी राहुल गांधी समेत 13 विपक्षी नेताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 27 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

- फॉर्म-6 में बदलाव का अधिकार केंद्र के पास

>> (शेष पेज 06 पर)

शाह मानहानि केस में राहुल गांधी आठ साल बाद बरी

जज ने 16 मिनट में फैसला सुनाया, 3 कारण- जिसकी वजह से कोर्ट ने दोषमुक्त किया

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर । तारीख- 8 मई 2018। राहुल गांधी ने बेंगलुरु में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अमित शाह का नाम लिए बिना कहा कि भाजपा ईमानदार राजनीति की बात करती है, जबकि उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष हत्या के एक मामले में आरोपी रहे हैं।

उनके 10 सेकेंड के इस बयान की आंच 8 साल तक दिखी। अगस्त 2018 में यूपी के सुल्तानपुर में दर्ज हुए केस का फैसला 26 अक्टूबर 2026 को आया है। कोर्ट ने राहुल को बरी कर दिया है और उनके बयान को अपमानजनक नहीं माना है। इस मामले में राहुल को दो बार बयान दर्ज कराने, एक बार पेश होने और आज फैसले के दिन सुल्तानपुर कोर्ट जाना पड़ा। राहुल आज सुबह 11:16 बजे कोर्ट में पेश हुए और 11:32 बजे फैसला आ गया, यानी महज 16 मिनट में।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोर्ट ने भाजपा नेता से कहा- झूठी वाहवाही के लिए केस किया

जज ने भाजपा नेता को फटकार भी लगाई। जज ने कहा- झूठी वाहवाही पाने के लिए इस तरह के मुकदमे दायर नहीं करने चाहिए। ऐसे मामलों से अदालत का कीमती समय बर्बाद होता है। बिना ठोस आधार के मुकदमा नहीं करना चाहिए। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में राहुल की तरफ से वरिष्ठ वकील आरएस चीमा और काशी शुक्ला ने दलीलें दीं। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

तमिलनाडु में 100 करोड़ का घोटाला, पूर्व मंत्री अरेस्ट

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और DMK नेता अनबिल महेश पोय्यामोझी को सोमवार को 100 करोड़ रुपये के प्राइवेट स्कूल घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया। महेश ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत भी लगाई थी।

सतर्क खतरा

चक्रवात अर्नब आंध्र की तरफ बढ़ा, 4 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। चक्रवात अर्नब बंगाल की खाड़ी से आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 27 अक्टूबर तक तूफान का रूप ले सकता है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 140 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

आंध्र प्रदेश में करीब 6 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी है। तटीय जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

बंगाल सीएम बोले- कॉकरोचों को पनपने न दें

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉकरोचों को पनपने न दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हों। सुवेंदु ने यह बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही।

100 प्रतिशत एथेनॉल वाले ईंधन को सरकार की मंजूरी

सरकार बोली- कच्चे तेल का आयात और प्रदूषण घटेगा

स्वीकृत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन अधिसूचित कर दिया। इसके साथ ही, 100 प्रतिशत इथेनॉल वाले E100 फ्यूल से चलने वाली फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों का रास्ता साफ हो गया है। फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां E85 (85 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) और 100 प्रतिशत इथेनॉल वाले E100 ईंधन पर चलने के लिए भी सक्षम बनाए जाते हैं। मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि 20 प्रतिशत से ज्यादा इथेनॉल वाले फ्यूल का इस्तेमाल सिर्फ उन्हीं गाड़ियों में किया जा सकेगा, जिन्हें ज्यादा इथेनॉल से चलाने के लिए डिजाइन और प्रमाणित किया गया है। इसका सीधा मतलब ये हुआ कि 20 प्रतिशत इथेनॉल वाले E20 पेट्रोल या सामान्य पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों में E85 या E100 फ्यूल का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे।

- हल्के पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए वजन की सीमा में की गई बढ़ोतरी

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल बोले-दिल्ली के व्यापारी बोले- प्रदर्शन से 20 बाजार बंद होंगे, करोड़ों का नुकसान होगा

ज्ञानेश को हटाएं, 30 सेकेंड में आंदोलन रोक देंगे : राहुल

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

यह फोटो 12 अक्टूबर की है, तब कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था।

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली महारैली को टालने से इनकार कर दिया। राहुल ने सोमवार को X पर लिखा कि दिल्ली के हर व्यापारी से हम प्यार करते हैं, उनकी बात सुन रहे हैं। मोदी जी से कहिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटा दें। 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा। दिल्ली के कश्मीरी गेट पर सोमवार को व्यापारियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस से 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली को दिवाली के बाद कराने की मांग की। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा कि इस मुद्दे पर INDIA गठबंधन के सभी दलों को पत्र लिखा जाएगा। >> (शेष पेज 06 पर)

- विपक्ष की एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ 6 बैठकें-प्रदर्शन

खड़गे बोले- रैली में सब लोग शामिल हों

खड़गे ने X पर लिखा- यह त्योहार का मौसम है, लेकिन इस समय आप कमरतोड़ महंगाई से जूझ रहे है। सरकार को इसकी बिल्कुल भी चिंता नहीं, क्योंकि वह सिर्फ वोट चोरी करना जानते है। इसी सिलसिले में 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट बचाओ, देश बचाओ महा रैली होगी। आप से अपील है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए, इस रैली में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और इस मुहिम को सफल बनाए।

- राहुल ने चलो दिल्ली का पोस्टर भी शेयर किया

रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और कनॉट प्लेस समेत 8 बड़े बाजार हैं। व्यापारी संगठन सीएआईटी के मुताबिक, 2025 में इन बाजारों में दिवाली पर त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी।

वारदात : पड़ोसी ने ताबड़तोड़ गोलियां मारीं ■ 5 दिसंबर को होनी थी बेटे की शादी

कार पार्किंग को लेकर पिता-बेटे भाई की हत्या

- पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने बताया-आरोपी को पुलिस ने पिस्टल के साथ हिरासत में लिया है। पार्किंग को लेकर झगड़ा था।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में दिनदहाड़े एक परिवार के 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इनमें पिता-बेटा और छोटे भाई शामिल हैं। पिता और बेटे की मौके पर मौत हो गई, जबकि भाई ने ट्रॉमा सेंटर में दम तोड़ दिया। वारदात सआदतगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 10:35 बजे हुई। नौबस्ता के ब्राह्मण टोला में रहने वाले शिवाजी तिवारी (62) सचिवालय के रिटायर्ड कर्मचारी थे। वह संघ के जिला सर कार्यवाह भी रह चुके हैं। उनके भाई शिवेंद्र तिवारी उर्फ शंभु लखनऊ यूनिवर्सिटी में काम करते थे। शिवाजी के बेटे सुयश (30) का बिजली के सामान का कारोबार था। 5 दिसंबर को उसकी शादी होनी थी। सोमवार को शिवाजी तिवारी के बेटे सुयश (30) ने उसी चबूतरे के पास अपनी कार खड़ी कर दी। थोड़ी देर बाद जब शंभु बाहर निकले, तो ऋषभ उनसे झगड़ा करने लगा। >> (शेष पेज 06 पर)

- मॉर्निंग वॉक के दौरान किया गया हमला
- 8-10 राउंड गोली चली- पड़ोसी
- पुलिस कमिश्नर बोले- पिस्टल समेत आरोपी अरेस्ट
- घर के सामने खाली जमीन पर आरोपी ऋषभ शुक्ला ने नो पार्किंग भी लिखकर लगा रखा था।

हत्यारोपी ऋषभ शुक्ला मर्चेंट नेवी से निकाला गया था

ट्रिपल मर्डर का आरोपी ऋषभ शुक्ला मर्चेंट नेवी में नेविगेशन अफसर रह चुका है। बताया जा रहा कि उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने बताया- आरोपी ऋषभ को मौके से पिस्टल के साथ अरेस्ट कर लिया गया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति दबाव में न हो : पूर्व जस्टिस

चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की सुरक्षा जरूरी

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अभय ओका ने कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राजनीतिक दबदबे से मुक्त रहनी चाहिए। इसके लिए मजबूत कानूनी व्यवस्था और स्वतंत्र संस्थाओं की सुरक्षा का ढांचा जरूरी है। जस्टिस अभय रविवार को ठाणे में 'फ्रीडम ऑफ स्पीच एंड अस' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने संवैधानिक पदों पर नियुक्ति में जवाबदेही को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं। साथ ही, बोलने की आजादी मौलिक अधिकार है। किसी तर्क का जवाब शारीरिक ताकत से नहीं, तर्क से दिया जाना चाहिए। रिटायर जस्टिस ओका ने 15 अक्टूबर को SIR को लेकर भी बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट को मई 2026 में दिए SIR को सही ठहराने वाले अपने फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए।

- जस्टिस ओका एसआईआर पर भी बयान दे चुके

>> (शेष पेज 06 पर)

एसआरएन में एडवोकेट की पिटाई पर हंगामा, एमजी मार्ग पर नारेबाजी, कहा- आरोपियों की गिरफ्तारी हो

प्रयागराज में वकीलों ने 6 घंटे चक्का जाम किया

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में सोमवार को अधिवक्ता की पिटाई के विरोध में वकीलों ने महात्मा गांधी मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। अधिवक्ता आरोपियों की गिरफ्तारी और ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अधिवक्ता आयुष शुक्ला ने कहा कि जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होती, वकील शांत नहीं बैठेंगे। तीन राउंड की बात के बाद 12 घंटे में गिरफ्तारी का आश्वासन मिलने के बाद वकीलों ने प्रदर्शन खत्म किया।

चक्काजाम की सूचना पर डीसीपी प्रोटोकॉल पंकज मौके पर पहुंचे। वह

प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं से बातचीत कर रहे हैं। वकीलों का कहना है कि वे केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं होंगे। आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा। दरअसल, अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला के साथ मारपीट के विरोध में वकील पहले स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में धरने पर बैठे थे। उत्तर प्रदेश जूनियर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवधर तिवारी ने आरोप लगाया था कि सर्वेश शुक्ला को कैंची से मारा गया, उनके कंधे और निजी अंगों पर चोट पहुंचाई गई और सुई घोंपी गई। उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई। वकीलों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। अधिकारियों से बातचीत के बाद भी सहमति नहीं बनने पर अधिवक्ताओं ने महात्मा गांधी मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।

डीसीपी ने कहा- मंगलवार को वकीलों के प्रतिधिनिमंडल को बुलाया गया है

डीसीपी सिटी सागर जैन ने बताया, मंगलवार दोपहर बारह बजे वकीलों के प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए बुलाया गया है। वहां उच्चाधिकारियों के समक्ष इस मामले में अब तक की गई कार्रवाई से उन्हें अवगत कराया जाएगा। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से कुछ नाम बताए गए हैं, जिन्हें निलंबित किया गया है

पुलिस से तीसरे राउंड की बात के बाद अधिवक्ताओं ने दावा किया कि 12 घंटे में गिरफ्तारी का आश्वासन मिला है। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद चक्का जाम समाप्त कर दिया गया है। छह घंटे तक चला प्रदर्शन अब खत्म हो गया है।

एसआरएन अस्पताल में युवक की मौत, भाई बोला- सीएम योगी से करेंगे शिकायत

SRN अस्पताल में भर्ती कृष्णा पटेल (19) की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि हालत गंभीर होने के बावजूद डॉक्टरों ने उसे दूसरे अस्पताल रेफर नहीं किया और इलाज में लापरवाही बरती। कुछ देर पहले ही कृष्णा को मृत घोषित किया गया। भाई ने रोते हुए कहा कि वह इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से करेंगे।

प्रयागराज में सिविल लाइंस की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग महात्मा गांधी मार्ग पर अधिवक्ताओं ने चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते सड़क पर यातायात बाधित हुआ।

जूनियर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवधर तिवारी ने कहा, पुलिस अफसरों से एक दौर की वार्ता हुई।उन्होंने गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। अधिवक्ता बिना गिरफ्तारी हटने को राजी नहीं हैं। ऐसे में जब तक गिरफ़्तारी नहीं होती है, वकील प्रदर्शन खत्म नहीं करेंगे।

वाराणसी में डॉक्टर के भाई पर जानलेवा हमला

धारदार हथियार से गर्दन पर वार, 15 टांके लगे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के रोहनिया थाना क्षेत्र के कुरहुआ गांव में रविवार देर रात घर में घुसकर एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में उमेश शेखर की गर्दन गंभीर रूप से कट गई। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गर्दन पर टांके लगाए गए। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पीड़ित की तहरीर के मुताबिक, हमलावर उन्हें मरा हुआ समझकर वहां से चले गए। जाते समय उन्होंने कथित तौर पर कहा कि पिछली बार वह बच गया था, लेकिन इस बार उसका काम तमाम हो गया। पीड़ित का आरोप है कि करीब एक साल पहले भी उन पर जानलेवा हमला हुआ था। दोबारा हुई घटना से परिवार के लोग भयभीत हैं।

कुरहुआ निवासी उमेश शेखर पुत्र शंकर राम ने रोहनिया पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार रात करीब 12:30 बजे वह घर में थे। इसी दौरान दो लोग मकान की चारदीवारी फांदकर कमरे में घुस आए। पीड़ित के अनुसार, इनमें से एक की पहचान गजाधरपुर निवासी मगरू प्रसाद यादव के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति को वह सामने आने पर पहचान सकते हैं। आरोप है कि कमरे में घुसते ही मगरू प्रसाद यादव ने धारदार हथियार से उन पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। इससे उनकी गर्दन गंभीर रूप से घायल हो गई।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में युवक पर चाकू-भुजाली से हमला

गोरखपुर। गोरखपुर में प्रतिमा विसर्जन के दौरान डांस करने को लेकर हुआ विवाद मारपीट और जानलेवा हमले तक पहुंच गया। आरोप है कि आर्यनगर में रामवृक्ष स्वीट हाउस के पास कुछ युवकों ने 25 वर्षीय आकाश अग्रहरी पर भुजाली और चाकू से गले व चेहरे पर हमला कर दिया। आकाश के शरीर पर 32 टांके लगे हैं। परिवार का दावा है कि घटना के 6 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं हुई है।

गोरखपुर में बाइक से धक्का देकर महिला की हत्या

गोरखपुर । गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र के भरवल गांव के आगे शनिवार की रात में बाइक से जा रहे दंपती के ऊपर बाइक सवार दो बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाशों के धक्के से बाइक पर पीछे बैठी पत्नी की गिरने से मौत हो गई। पति की तहरीर पर पुलिस ने बाइक सवार दो बदमाशों पर हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। बेलीपार के मलांव गांव निवासी संतोष पांडेय शनिवार को अपनी पत्नी मीरा पांडेय (54) के साथ गोरखपुर में एक मैरिज हाउस में मायके की एक युवती की सगाई में गए थे।

फतेहपुर में लोगों का सामान छीन रहे बंदर

फतेहपुर, बाराबंकी। कस्बे में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदर पलक झपकते ही लोगों के हाथों से सामान छीनकर भाग जाते हैं। थाना परिसर, तहसील परिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बंदरों की मौजूदगी से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद बंदरों से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से लोगों में नाराजगी है।

देश की हर कोर्ट में बनेंगे महिला वकीलों के लिए अलग टॉयलेट और बार रूम

तमसा संकेत, एजेंसी

सीजेआई ने साफ शब्दों में कहा, 'महिलाओं के लिए बुनियादी ढांचा और सुविधाएं न होने का कोई भी बहाना या औचित्य स्वीकार नहीं किया जा सकता. बार के सभी सदस्यों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्यों और हाई कोर्ट्स की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है.'

नई दिल्ली। न्याय की चौखट पर जाकर दूसरों को हक दिलाने वाली महिला वकीलों के लिए खुद अदालतों के भीतर बुनियादी सुविधाएं न होना एक गंभीर और कड़वी हकीकत है. इस पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है. भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सभी हाई कोर्ट्स को सख्त आदेश दिया है कि देश की हर एक अदालत में महिलाओं के लिए अलग और सुरक्षित बार रूम और टॉयलेट बनाए जाएं। जिला अदालतों, सब-डिविजनल और तालुका कोर्ट में जहां भी महिला वकील प्रैक्टिस करती हैं, वहां उनके लिए अलग और एक्सक्लूसिव 'वीमेन बार रूम' और वॉशरूम का निर्माण किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे इसके लिए तुरंत आवश्यक फंड और जरूरत पड़ने पर जमीन आवंटित करें ।

सभी हाई कोर्ट्स की बिल्डिंग कमेटियों को निर्देश दिया गया है कि वे इस काम को पहली प्राथमिकता पर लें और अटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया के कार्यालय को नियमित प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देशभर में एक जैसा पैटर्न हो, महिलाओं के लिए बनने वाले टॉयलेट्स और सुविधाओं का डिजाइन व पैटर्न सभी राज्यों और जिलों में एक समान होना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर तय की है, जहां सभी राज्यों को अपनी कम्प्लायंस (अनुपालन) रिपोर्ट पेश करनी होगी. यह आदेश देश की न्याय प्रणाली में काम कर रही हजारों महिला वकीलों के लिए एक बड़ी राहत और उनके सम्मान की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है।

सूरतगंज हेतमापुर मार्ग पर बंभनावा गांव के पास हुआ हादसा

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

जिला अस्पताल रेफर, पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर शुरू की जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में 19 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सूरतगंज-हेतमापुर मार्ग पर बंभनावा गांव के पास हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल युवक को तत्काल एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के दुर्गापुर नौबस्ता निवासी उमेश प्रताप सिंह पुत्र पारस नाथ सिंह, उम्र करीब 19 वर्ष, सोमवार सुबह लगभग 11 बजे बाइक से सूरतगंज स्थित कोचिंग सेंटर जा रहा था। बताया जा रहा है कि सूरतगंज-हेतमापुर मार्ग पर बंभनावा गांव के पास खेत की जुताई करने के बाद एक ट्रैक्टर खेत से सड़क की ओर निकल रहा था। इसी दौरान सूरतगंज की तरफ जा रहे उमेश की बाइक ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। टक्कर लगते ही बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायल युवक की मदद में जुट गए। परिजनों को सूचना मिलते ही वे भी मौके पर पहुंच गए।

सीएचसी में प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल रेफर

घायल युवक को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी सूरतगंज ले जाया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. फुरकान ने उसका उपचार किया। युवक की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मुंह से झाग निकलने के कारण जताई जा रही थीं कई आशंकाएं, रिपोर्ट में हृदयाघात से मौत की पुष्टि

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुला महिला की मौत का राज, हार्ट अटैक से गई जान

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के सूरतगंज हेतमापुर मार्ग क्योंटली गांव घर के सामने सड़क किनारे मिले 55 वर्षीय महिला के शव के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो गया है। मृतका की पहचान क्योंटली गांव निवासी सीता देवी पत्नी स्वर्गीय तरुण कुमार तिवारी के रूप में हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मौत (हार्ट अटैक) के कारण हुई। महिला का शव मिलने के बाद से ही गांव और आसपास के क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही थीं। खासकर मुंह से झाग निकलने की बात सामने आने के बाद लोगों के बीच उनकी मौत को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मौत के कारण को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मोहम्मदपुर खाला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई और आवश्यक कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर परिजनों और ग्रामीणों के साथ-साथ पुलिस की निगाहें भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी थीं।

महिला का शव घर के सामने सड़क किनारे मिलने और मुंह से झाग निकलने की जानकारी सामने आने के बाद घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया था। लोग अपने-अपने स्तर पर मौत के कारणों को लेकर कयास लगा रहे थे। हालांकि, बिना चिकित्सकीय जांच के मौत के वास्तविक कारण का पता लगाना संभव नहीं था। ऐसे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट को महत्वपूर्ण माना जा रहा था। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मायोकार्डियल इन्फार्क्शन यानी हृदयाघात को मौत का कारण बताए जाने के बाद मामले में अहम जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि महिला की जान हार्ट अटैक के कारण गई।

रविवार सुबह सड़क किनारे मिला था महिला का शव

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह ग्रामीणों ने सूरतगंज-हेतमापुर मार्ग पर क्योंटली गांव के पास महिला के घर के सामने सड़क किनारे शव पड़ा देखा। सुबह-सुबह शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने महिला की पहचान गांव निवासी सीता देवी के रूप में की। बताया गया कि शव के मुंह से झाग निकल रहा था। इस स्थिति को देखकर ग्रामीणों के बीच महिला की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

थाना प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत का कारण हृदयाघात यानी हार्ट अटैक बताया गया है। रिपोर्ट सामने आने के बाद महिला की मौत के कारण को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगा है।

दालमंडी में निर्माण कराने पर सपा नेता पर एफआईआर

कोर्ट के स्टे के बावजूद हो रहा था निर्माण

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के दालमंडी में कोर्ट के रोक लगाने के बावजूद मकान में निर्माण कराने का आरोप लगा है। इस मामले में चौक पुलिस ने सपा नेता इमरान अहमद बबलू समेत दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मकान मालिक मोहम्मद वसीम ने आरोप लगाया है कि विवादित मकान में पुराना शटर हटाकर नया शटर लगा दिया गया। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। वसीम की शिकायत के मुताबिक, कोर्ट ने मकान की स्थिति में बदलाव करने और नया निर्माण करने पर रोक लगा रखी है। इसके बावजूद 22 अक्टूबर की रात दोबारा निर्माण कराने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चौक थाना प्रभारी विजय कुमार शुक्ला के मुताबिक, मोहम्मद वसीम का चहमामा, दालमंडी स्थित एक मकान में आधा हिस्सा है। मकान के मालिकाना हक को लेकर कोर्ट में मामला चल रहा है। कोर्ट ने विवाद का फैसला आने तक मकान में किसी तरह का बदलाव नहीं करने का आदेश दिया है। वसीम का आरोप है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद सपा नेता इमरान अहमद बबलू और सवाब अहमद ने मकान के बचे हुए हिस्से में पुराना शटर हटाकर नया शटर लगवा दिया। वसीम के मुताबिक, मकान के पास लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने लाल निशान लगाया था। आरोप है कि इसके पास लगे पुराने शटर को हटाकर नया शटर लगाया गया।

जनसभा : प्रयागराज में कहा-मैंने बहनजी के साथ काम करने की कोशिश की, वह तैयार नहीं

मैं कांशीराम का वैचारिक उत्तराधिकारी : चंद्रशेखर

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में सोमवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मैं कांशीराम जी का वैचारिक उत्तराधिकारी हूं। राजनीतिक उत्तराधिकारी दूसरा दल है। मैंने कोशिश की कि मायावती जी के साथ काम करूं, लेकिन कामयाब नहीं हुआ। इसलिए अपने आंदोलन को और मजबूत कर रहा हूं। फूलपुर में हुई जनसभा में चंद्रशेखर आजाद ने कहा यूपी में युवा बेरोजगार हैं। नौजवान डिग्रियां लेकर घूम रहे हैं, लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिल रही। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने में नाकाम है। यूपी में स्कूल बंद हो रहे हैं। सरकार शराब की दुकान खुलवा रही है। इससे युवा नशेड़ी बन रहे हैं। माफिया को खत्म करने वाली सरकार पिछले दिनों प्रतापगढ़ में हुए शस्त्र प्रदर्शन पर खामोश रही।

एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हुई। मैंने ही एमएलसी चुनाव में गड़बड़ी सामने लाई। डिजिटल वोटर लिस्ट खत्म कर देना चाहिए। जनता चाहती है कि ईवीएम से नहीं बैलेट से चुनाव हो। जनसभा में शामिल होने के लिए चंद्रशेखर 30 गाड़ियों के काफिले के साथ सभा

स्थल पर पहुंचे। जनसभा स्थल पर बसपा प्रमुख मायावती के पोस्टर भी लगाए गए।

कांशीराम जी ने हमेशा संघर्ष किया। प्रयागराज में उन्होंने एक वोट-एक नोट का नारा दिया। बरेली में शराब का विरोध करने पर जेल गए। अगर हम सरकार से सांठगांठ करेंगे तो कुछ नहीं होगा। सरकार के खिलाफ संघर्ष करेंगे तो मुकदमा होगा। अभी किसी के साथ गठबंधन नहीं हुआ है। जब चुनाव आता है तो गठबंधन होता है। अभी किसी से नहीं हुआ। जब होगा तो डंके की चोट पर कहेंगे। गठबंधन के सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलकर चलेंगे। क्योंकि इस सरकार को हटाना है।

चंद्रशेखर बोले- संविधान 76 साल पहले लागू हुआ, हम तब से लड़ रहे हैं

सांसद चंद्रशेखर ने कहा, सन 1950 में हमारा संविधान लागू हुआ। तब से अब तक 76 साल हो गया। हमारा संविधान मजबूत हो रहा है, कितना मजबूत हो गया बताता हूं। आपको अमीर बनाने वाले, आपकी गरीबी हटाने वाले नेता आते रहे, जाते रहे, क्या आपके हालात बदले।

चंद्रशेखर बोले- माफिया को हटाने का दावा, एक माफिया खुलेआम शस्त्र का प्रदर्शन किया

सांसद चंद्रशेखर ने बिना नाम लिए राजा भैया पर हमला बोला। कहा ये सरकार माफिया को हटाने का दावा करती है, लेकिन एक माफिया खुलेआम शस्त्र प्रदर्शन कर रहा है। उसे रोकने वाला कोई नहीं है। चंद्रशेखर ने यूपी की जररूतों को पूरा करने की बात कही। कहा 8 घंटे बाद पुलिसकिर्यों को छुट्टी दी जानी चाहिए ताकि वह परिवार के पास जा सकें। महिला पुलिसर्मियों को छुट्टी नहीं मिल पा रही है। यदि हमारी सरकारी बनी तो रिफार्म करके गृह जनपद में पोस्टिंग कराएंगे। जिस दिन कार्यकर्ताओं पर मुसीबत आ जाएगी तो गोली खाने के लिए भी तैयार हूं।

वाराणसी एयर शो में फर्जी कैप्टन पकड़ा गया

नमोघाट के प्रतिबंधित हेलिपैड क्षेत्र में घूम रहा था, खुफिया एजेंसियों ने की पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में एयर शो से एक दिन पहले शनिवार को नमोघाट के हेलिपैड क्षेत्र में फर्जी कैप्टन पकड़ा गया था। युवक खुद को सेना का कैप्टन बताकर प्रतिबंधित क्षेत्र में घूम रहा था। सुरक्षा जवानों को शक होने पर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में सेना में कैप्टन के पद पर उसकी तैनाती की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने उससे कई घंटे पूछताछ की। युवक की पहचान अर्पित चतुर्वेदी के रूप में हुई है। उसके खिलाफ आदमपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। वह मूल रूप से वाराणसी के नदेसर इलाके का रहने वाला है। रविवार को होने वाले वायुसेना के एयर शो को देखते हुए वाराणसी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इसके बावजूद शनिवार को एक युवक नमोघाट स्थित हेलिपैड के प्रतिबंधित क्षेत्र तक पहुंच गया। ड्यूटी पर तैनात जवानों को उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पूछताछ करने पर उसने खुद को सेना का कैप्टन बताया। उसके जवाबों और हाव-भाव से जवानों का संदेह बढ़ गया। इसके बाद उच्चाधिकारियों और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन, इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB), स्थानीय खुफिया इकाई (LIU) और वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। सूर्यकिरण टीम के विमानों ने शानदार करतब दिखाए। आसमान को तिरंगे के रंग में रंग दिया था। सूर्यकिरण टीम के विमानों ने शानदार करतब दिखाए। आसमान को तिरंगे के रंग में रंग दिया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए युवक को वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के एक वरिष्ठ अधिकारी के कार्यालय ले जाया गया। यहां आईबी, एलआईयू और वायुसेना की खुफिया इकाइयों ने उससे कई घंटे पूछताछ की।

हंसवर के सेमरा नसीरपुर पुलिया के पास घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपी

30 लाख की हेरोइन के साथ दो सगे भाई गिरफ्तार

घेराबंदी

बृजेंद्र वीर सिंह

पुलिस को देखकर बढ़ाई थी बाइक की रफ्तार

नायब तहसीलदार की मौजूदगी में तलाशी पर 715 ग्राम मादक पदार्थ बरामद

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। हंसवर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को कथित हेरोइन तस्करी के मामले में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 715 ग्राम हेरोइन और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपये है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज किया गया है। पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक रवि यादव और शुभम मिश्रा पुलिस बल के साथ सिंहपुर चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बसखारी की तरफ से मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध आ रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने सेमरा नसीरपुर पुलिया के पास घेराबंदी कर दी। पुलिस के मुताबिक, कमर हयात के खिलाफ पहले से तीन और नबी अहमद के खिलाफ पांच मुकदमे दर्ज हैं। इनमें गोवध, हत्या के प्रयास समेत अन्य आरोपों से जुड़े मामले शामिल हैं। थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। बरामद मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज किया गया है।

रुकने का इशारा किया तो बढ़ा दी रफ्तार

पुलिस के मुताबिक, कुछ देर बाद मोटरसाइकिल नंबर यूपी 45 एएस 0424 से दो लोग आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस टीम ने पीछा कर मोटरसाइकिल रोक ली और दोनों सवारों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में दोनों की पहचान कमर हयात उर्फ लूले और नबी अहमद, पुत्र वाजिद अली, निवासी फरीदपुर जलालपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान मादक पदार्थ मिलने की बात सामने आने पर पुलिस ने नायब तहसीलदार कौशलकांत मिश्र को सूचना दी।

नायब तहसीलदार की मौजूदगी में तलाशी, 715 ग्राम हेरोइन मिली

पुलिस के अनुसार, नायब तहसीलदार कौशलकांत मिश्र की मौजूदगी में तलाशी ली गई। इस दौरान नबी अहमद के पास से 310 ग्राम और कमर हयात के पास से 405 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। दोनों के पास से कुल 715 ग्राम हेरोइन मिलने के बाद पुलिस उन्हें मोटरसाइकिल समेत थाने ले गई।

मंदिरों में गूंजे रामायण के प्रसंग मानस पाठ से मनाई गई वाल्मीकि जयंती

हृदयपुर में विधायक धर्मराज निषाद ने किया मानस पाठ का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

रामायण पाठ और भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुए मंदिर

अंबेडकरनगर। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को जिले के विभिन्न मंदिरों में रामायण पाठ, भजन-कीर्तन और दीप प्रज्ज्वलन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासन के निर्देश पर हुए आयोजनों में महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनकी रचना रामायण के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रमों के जरिए भगवान राम के आदर्शों और रामायण में निहित नैतिक मूल्यों का संदेश दिया गया।

कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत हृदयपुर में विधायक धर्मराज निषाद ने मानस पाठ का शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों और मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में भी प्रतिभाग किया। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी जनप्रतिनिधियों ने अलग-अलग आयोजनों में हिस्सा लिया। महर्षि वाल्मीकि की रचित रामायण भारतीय साहित्य और संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर है। इसमें भगवान राम के चरित्र के माध्यम से सत्य, धर्म, न्याय, करुणा और कर्तव्यपालन जैसे मूल्यों को प्रस्तुत किया गया है। जिले में चयनित श्रीराम और हनुमान मंदिरों सहित रामायण से जुड़े अन्य धार्मिक स्थलों पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। कहीं रामायण पाठ हुआ तो कहीं भजन-कीर्तन के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इन आयोजनों में महर्षि वाल्मीकि के कृतित्व को याद करते हुए रामायण के आदर्शों को जनजीवन से जोड़ने पर जोर दिया गया। जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया गया।

फास्ट न्यूज

जमालपुर चौराहे पर किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिमन्यु अग्रहरि के जिले में प्रथम आगमन पर सोमवार को जमालपुर चौराहे पर स्वागत किया गया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बुके भेंट कर तथा पुष्पमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। स्वागत करने वालों में किसान मोर्चा के जिला महामंत्री डॉ. महेंद्र प्रताप चौहान, भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि और किसान मोर्चा के निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी विकास निषाद शामिल रहे।

लंबित मामलों की जांच में देरी न हो

अंबेडकरनगर। लंबित मुकदमों की जांच और उनके निस्तारण को लेकर पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सोमवार को भीटी थाने के विवेचकों के साथ समीक्षा बैठक की। कैंप कार्यालय में आयोजित ओआर (ऑर्डरली रूम) के दौरान उन्होंने लंबित विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी ने विवेचकों को लंबित मामलों की जांच में तेजी लाने और प्रत्येक विवेचना को गंभीरता से पूरा करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच की गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्धारित समय में निस्तारण किया जाना चाहिए।

भिखारीपुर में मोबाइल कोर्ट, 28 में से 11 मामलों का निस्तारण

अंबेडकरनगर। भीटी तहसील क्षेत्र के भिखारीपुर ग्राम पंचायत में सोमवार को ग्राम न्यायालय भीटी की ओर से एकदिवसीय मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। ग्राम न्यायालय के लिपिक प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि मोबाइल कोर्ट का आयोजन उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में किया गया।

शहीदों को समर्पित मुशायरे में गूंजी देशभक्ति की आवाज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा के अलीगंज स्थित सालारगढ़ मैदान में रविवार रात 'एक शाम शहीदों के नाम' मुशायरा एवं कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें शायरों और कवियों ने अपनी रचनाओं के जरिए देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कलाम के माध्यम से देशभक्ति, आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में देर रात तक शेरो-शायरी का दौर चलता रहा।

मोहम्मद शफी नेशनल इंटर कॉलेज, हंसवर के शिक्षक और साहित्यप्रेमी मोहम्मद असलम खान के संरक्षण में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता जफर हयात ने की। कुमैल डोंडवी ने संचालन किया। टांडा विधायक राममूर्ति वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुशायरे में शायरा चांदनी शबनम ने अपने शेरों के जरिए प्रेम की भावनाएं व्यक्त कीं। अली बाराबंकवी ने बड़े भाई के सहारे और उसके महत्व को अपनी रचना में पिरोया। इंसाफ टांडवी ने वतन के प्रति समर्पण को शब्द दिए। उनकी पंक्तियों में देश के प्रति प्रेम और कुर्बानी का भाव दिखा। कुमैल सिद्दीकी ने अपनी रचना के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक हकदारों तक पहुंचने का सवाल उठाया। हकीम इरफान आजमी ने रिश्तों की जटिलताओं को शायरी में बयां किया। कार्यक्रम में हनीफ कुरैशी, अबुशाद आजमी, सोनू हिंदुस्तानी, रिजवान टांडवी, मोहम्मद मजाहिर टांडवी, शगुफ्ता लखनवी, शाद अकबरपुरी, उजमा सिद्दीकी, ताहिर अब्बास लखनवी, अहमद परवाज आजमी और नाजो नाज इलाहाबादी समेत अन्य शायरों व कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।

प्रदूषण के खिलाफ होगी दौड़, 22 नवंबर को अकबरपुर में होगा फाइनल

10 नवंबर को जलालपुर से शुरू होगी क्लीन एयर-ग्रीन एयर मैराथन

- पांच स्थानों पर आयोजन पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को 50-50 हजार रुपये का पुरस्कार
- पांच तारीखों पर अलग-अलग क्षेत्रों में दौड़
- महिला और पुरुष वर्ग में होगी प्रतिस्पर्धा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पराली और कूड़ा जलाने से होने वाले प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जिले में क्लीन एयर-ग्रीन एयर मैराथन आयोजित की जाएगी। पूर्व सांसद और भाजपा नेता रितेश पांडेय के नेतृत्व में होने वाली यह मैराथन 10 नवंबर को जलालपुर से शुरू होगी। अलग-अलग क्षेत्रों में दौड़ के बाद 22 नवंबर को अकबरपुर में इसका समापन होगा। आयोजक रितेश पांडेय ने बताया कि मैराथन के जरिए वायु, जल और भूमि प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। खास तौर पर पराली और कूड़ा-करकट जलाने से होने वाले नुकसान पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्दी की शुरुआत के साथ वायु प्रदूषण बढ़ने लगता है। ऐसे में किसानों को पराली जलाने के बजाय उसका उपयोग खेतों में खाद बनाने के लिए करना चाहिए। मैराथन का कार्यक्रम पांच चरणों में आयोजित होगा। इसकी शुरुआत 10 नवंबर को जलालपुर से होगी। इसके बाद 14 नवंबर को कटेहरी, 16 नवंबर को टांडा और 18 नवंबर को अयोध्या के गोसाईंगंज में दौड़ होगी। अंतिम चरण 22 नवंबर को अकबरपुर में आयोजित किया जाएगा।

मैराथन में महिला और पुरुष वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। आयोजक के अनुसार, प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आयोजन के जरिए प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जिले के अलग-अलग क्षेत्रों तक पहुंचाने की योजना है।

शह-मात के खेल में जिले की प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

चेस एसोसिएशन की पहली आधिकारिक बैठक में फैसला

तमसा संकेत, संवाददाता

- नियमित मुकाबलों के जरिए खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की तैयारी

अंबेडकरनगर। जिले में शतरंज को नई पहचान दिलाने की पहल शुरू हो गई है। अंबेडकरनगर चेस एसोसिएशन दिसंबर में जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित करेगा। सोमवार को तक्षशिला रूट्स में हुई एसोसिएशन की पहली आधिकारिक बैठक में यह निर्णय लिया गया। प्रतियोगिता के जरिए स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष और पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने कहा कि जिले में शतरंज खेलने वाले खिलाड़ियों को पहचान दिलाना और उनकी प्रतिभा को निखारना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। इसके लिए नियमित प्रतियोगिताएं आयोजित करने की योजना है। इससे अलग-अलग आयु वर्ग के खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिल सकेगा। बैठक में सदस्यों ने जिले में शतरंज के विकास, प्रतियोगिताओं के आयोजन और स्थानीय खिलाड़ियों को अवसर देने से जुड़े सुझाव रखे। शतरंज गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने और जिले में इस खेल के प्रति रुचि बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। रितेश पांडेय ने सदस्यों के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से अंबेडकरनगर के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर दिए जा सकते हैं। दिसंबर में होने वाली प्रतियोगिता इसी दिशा में एसोसिएशन का पहला प्रमुख आयोजन होगा।

विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम में 80 साइकिल, 30 व्हीलचेयर समेत बांटे गए उपकरण

किसी को साइकिल तो किसी को मिली मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

- 160 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण
- एमएलसी हरिओम पांडेय और विधायक धर्मराज निषाद रहे मौजूद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। दिव्यांगजनों के आवागमन को आसान बनाने और उन्हें दैनिक गतिविधियों में सहूलियत देने के लिए विकास भवन परिसर में सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिव्यांगजन विभाग की ओर से हुए कार्यक्रम में लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार साइकिल, व्हीलचेयर, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल और अन्य उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में एमएलसी हरिओम पांडेय, विधायक धर्मराज निषाद और जिला पंचायत अध्यक्ष (प्रशासक) श्याम सुंदर वर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में अलग-अलग श्रेणियों के कुल 160 उपकरण वितरित किए गए। इनमें 80 साइकिल, 30 व्हीलचेयर, 15 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 10 स्मार्ट केन, पांच कान की मशीन और 20 एमआर किट शामिल हैं। इन उपकरणों से लाभार्थियों को आवागमन, आवाजाही और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। वितरण के दौरान लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुरूप उपकरण दिए गए। साइकिल और मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल से आवागमन में सहूलियत मिलेगी, जबकि व्हीलचेयर से चलने-फिरने में कठिनाई का सामना करने वाले लोगों को मदद मिलेगी। दृष्टिबाधितों के लिए स्मार्ट केन और सुनने में परेशानी वाले लाभार्थियों के लिए कान की मशीन भी वितरित की गई। इसके अलावा 20 एमआर किट दी गईं। एमएलसी हरिओम पांडेय मुख्य अतिथि और विधायक धर्मराज निषाद व जिला पंचायत अध्यक्ष (प्रशासक) श्याम सुंदर वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिला विकास अधिकारी सविता सिंह और जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी वरुण सिंह ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने दिव्यांगजन कल्याण के लिए संचालित सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला।

दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराने का उद्देश्य दैनिक जीवन की चुनौतियों को कम करना और आवागमन में सहूलियत देना है। विभागीय कार्यक्रम के माध्यम से लाभार्थियों को ऐसे साधन उपलब्ध कराए गए, जो उनकी जरूरतों के अनुसार उपयोगी हो सकते हैं।

पटेल जयंती पर भाजपा गोष्ठी प्रतिमा स्थल पर होगा दीप प्रज्वलन

अटल भवन में प्रेसवार्ता कर पार्टी ने साझा किया कार्यक्रमों का ब्योरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर भाजपा की ओर से जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में हुई प्रेसवार्ता में पार्टी के पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष अमरजीत मौर्य ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 30 अक्तूबर को गोष्ठी होगी, जबकि 31 अक्तूबर को पटेल नगर स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई और दीप प्रज्वलन किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में अमरजीत मौर्य ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की रियासतों का एकीकरण कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके जीवन और विचारों से लोगों को परिचित कराने के उद्देश्य से जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 30 अक्तूबर को अटल भवन में होने वाली गोष्ठी में सरदार पटेल के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर चर्चा होगी। अगले दिन पटेल नगर स्थित उनकी प्रतिमा की साफ-सफाई और दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम रखा गया है।

भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव की अध्यक्षता में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष दीपिका शाह का स्वागत भी किया गया। दिलीप पटेल देव ने कहा कि महिला मोर्चा महिलाओं को संगठन से जोड़कर उसे मजबूत बनाने का काम करेगा। उन्होंने आगामी चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। प्रेसवार्ता को जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय की मौजूदगी में संबोधित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष शुभम अग्रहरि ने किया।

मदरसे में बच्चों से सिर की मालिश कराने का आरोप, वायरल वीडियो से उठा विवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

- जलालपुर के बड़ेपुर गांव स्थित मदरसा जामिया कादरिया नूरे इस्लामा का मामला परिजनों और ग्रामीणों ने जांच कर कार्रवाई की मांग की

अंबेडकरनगर। जलालपुर क्षेत्र के बड़ेपुर गांव स्थित मदरसा जामिया कादरिया नूरे इस्लामा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वीडियो को लेकर मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों से सिर की मालिश कराए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इस मामले को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों से जांच कराने की मांग की है।

आरोप है कि मदरसे में बच्चों को पढ़ाने वाले मौलवी उनसे पढ़ाई के बजाय सिर की मालिश कराते हैं। स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि बच्चों से नियमित रूप से ऐसा कराया जाता है। हालांकि, वायरल वीडियो की पुष्टि दैनिक समाचार पत्र तमसा संकेत नहीं करता है।

वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों ने मदरसे में बच्चों के साथ किए जाने वाले व्यवहार की जांच की मांग उठाई है। उनका कहना है कि मामले की वास्तविक स्थिति सामने आनी चाहिए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों से वीडियो की जांच कराने और आरोपों की सत्यता परखने की अपील की गई है।

ग्रामीणों ने मदरसे के संचालन की वैधता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने संबंधित विभाग से मदरसे के संचालन से जुड़े अभिलेखों और आवश्यक औपचारिकताओं की जांच कराने की मांग की है।

आयोजन : चाट-चाऊमीन से लेकर सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों तक रही भीड़

बड़ेपुर के ऐतिहासिक मेले में उमड़ा जनसैलाब

तमसा संकेत, संवाददाता

- राम-लक्ष्मण-सीता की झांकी देखने को जुटे लोग
- सुरक्षा व्यवस्था पर अधिकारियों की नजर; आज होगा भरत मिलाप

हजपुरा। क्षेत्र के बड़ेपुर में सोमवार को शंकर जी महाराज बाबा औघड़ दास प्रबंध समिति की देखरेख में ऐतिहासिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर तक चलता रहा। दिनभर मेले में चहल-पहल बनी रही। लोगों ने दुकानों पर खरीदारी की और खानपान का आनंद लिया।

मेले में सजी दुकानों पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। चाट और चाऊमीन की दुकानों पर खासा जमावड़ा रहा। वहीं, सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर भी महिलाओं और युवतियों ने अपनी पसंद का सामान खरीदा। बच्चों ने खाने-पीने की चीजों का आनंद लिया, जबकि युवा और अन्य लोग मेले में लगी दुकानों पर खरीदारी करते नजर आए। अलग-अलग दुकानों पर लोगों की आवाजाही से पूरे दिन मेले में रौनक बनी रही।

मेले में राम, लक्ष्मण और सीता की आकर्षक झांकी लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। झांकी देखने के लिए लोगों में उत्साह दिखाई दिया। मेले में खरीदारी और झांकी देखने के लिए पहुंचे लोगों की मौजूदगी से आयोजन स्थल पर दिनभर चहल-पहल रही।

मेले के सफल आयोजन में शंकर जी महाराज बाबा औघड़ दास प्रबंध समिति के अध्यक्ष रुद्रसेन सिंह के साथ विजय निषाद, सूर्य लाल यादव, राम भवन और समिति के अन्य सदस्यों व सहयोगियों की भूमिका रही। आयोजन के क्रम में मंगलवार को भरत मिलाप का कार्यक्रम होगा। इसे लेकर मेले से जुड़े आयोजनों का सिलसिला आगे बढ़ेगा।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे अधिकारी

मेले में उमड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया। क्षेत्राधिकारी अरुण कुमार नौहवार और थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने मेले का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। मेले को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस व्यवस्था की निगरानी की गई।

शिवाला घाट पर सुंदरकांड पाठ के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

नगर पालिका अकबरपुर की ओर से हुआ आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ओर से शिवाला घाट, पंडा टोला में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुंदरकांड पाठ, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन और पूजन के साथ जयंती मनाई गई। आयोजन में नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ स्थानीय वार्डवासी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ से हुई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन कराया गया और महर्षि वाल्मीकि का पूजन किया गया। अनुष्ठान पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं और उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान घाट परिसर में रामधुन और महर्षि वाल्मीकि के जयकारे गूंजते रहे। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि की रचना रामायण में निहित मानवीय, सामाजिक और राष्ट्रीय मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना रहा। इसके माध्यम से लोगों को रामायण के आदर्शों और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी राजमणि वर्मा, अवर अभियंता (जलकल) शैलेंद्र सिंह और प्रधान लिपिक अनूप सोनकर शामिल हुए। इनके अलावा स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी जसवंत सिंह यादव और अजय तिवारी, स्वच्छता प्रभारी इसराइल और प्रवेश वर्मा तथा सफाई नायक पंकज और अजय मौजूद रहे। बड़ी संख्या में स्थानीय वार्डवासियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

सम्पादकीय

कांग्रेस की बिगड़ी भाषा

पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जब वोट चोरी का रोना रो रहे थे और कथित वोट चोरों को जेल भेजने की बात कर रहे थे, तब भीड़ से यह आवाज आने पर कि 'मोदी कहीं नहीं जाएगा', वे इतना तैश में आ गए कि यहां तक कह गए कि 'मोदी तो क्या, मोदी का बाप भी जाएगा।' उन्होंने इसे दोहराया भी। इससे न केवल उनकी बौखलाहट का पता चलता है, बल्कि यह भी कि उनके जैसा बुजुर्ग नेता प्रधानमंत्री के लिए ऐसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं करता। वे पहले भी ऐसा कर चुके हैं और राहुल गांधी ने तो भाषा के मामले में सारी हदें ही पार कर रखी हैं। वे प्रधानमंत्री के लिए हद दर्जे की अशिष्ट भाषा का इस्तेमाल करते हैं और यहां तक कि उनके लिए 'डरता है', 'भाग जाएगा' जैसी बातें भी बोल चुके हैं।

राहुल गांधी संवैधानिक पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी जमकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने में लगे हुए हैं। इसका दुष्परिणाम यह है कि कांग्रेस के छोटे-बड़े नेता, कार्यकर्ता और समर्थक भी प्रधानमंत्री के संदर्भ में बात करते हुए भाषा का कोई लिहाज नहीं रखते। बहुत पुरानी बात नहीं कि बिहार में ही कांग्रेस की एक रैली में प्रधानमंत्री को खुलेआम गालियां दी गई थीं और कांग्रेस जनों ने उसकी निंदा करने के स्थान पर लीपापोती ही अधिक की थी। यह भी एक विडंबना रही कि खरगे की रैली में कांग्रेसियों ने जिसे मोदी हितैषी समझ कर पीट दिया, वह कांग्रेस समर्थक है और वस्तुतः यह कह रहा था कि बिना बगावत मोदी कहीं नहीं जाएगा। स्पष्ट है कि यह खतरनाक सोच भी कांग्रेस और साथ ही उसके उन करीबियों की देन है, जो रिजीम चेंज यानी तख्तापलट की बातें कर रहे हैं और लोगों को गुमराह करके भड़काने में लगे हुए हैं। वैसे तो नेताओं की भाषा का स्तर एक लंबे समय से गिरता चला आ रहा है और इसमें कुछ कम या ज्यादा, सभी दलों के नेताओं का योगदान है, लेकिन राजनीतिक भाषा के स्तर को गिराने में यदि कोई सबसे अधिक आगे है तो वे हैं राहुल गांधी और उनके करीबी। जब बड़े नेता अमर्यादित बयान देते हैं और अपने राजनीतिक विरोधियों के प्रति घृणाभाव दिखाते हैं तो उसका असर पूरी पार्टी पर पड़ता है। पिछले कुछ समय से ऐसा ही हो रहा है। राहुल गांधी और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं में तो प्रधानमंत्री के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने की होड़ सी लगी हुई है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ माह पहले दिल्ली में जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के समर्थकों ने जब प्रधानमंत्री और उनकी मां को कैमरों के सामने भद्दी गालियां दी थीं, तब विपक्ष के अनेक नेताओं ने इन गालीबाज तत्वों का बचाव ही किया था।

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

66

प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती।

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, "मोदी का बाप भी जाएगा।" इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का

विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है?

सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

- ललित गर्ग

दंगा, इफ्तार और बिरयानी, सपा राज की असल कहानी

कहते हैं कि भेड़िया कितना भी शेर की खाल ओढ़ ले लेकिन वह भेड़िया ही रहता है। कुछ इसी तरह का हाल इन दिनों समाजवादी पार्टी का है। हर रोज पीडीए का नारा जपने के बाद अखिलेश यादव अब मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए नतमस्तक हैं। आजम खां को वोटों की खातिर सहेजने के लिए वह सीतापुर जेल में मुलाकात करने के बाद रामपुर में उनके घर पर भी हाजिरी लगा कर आ गये। आजम खां की भाषण शैली कितनी भी अच्छी क्यों न हो लेकिन आज भी लोग उनका कार्यकाल नहीं भूले हैं। हम लोगों को अच्छी तरह याद है कि आजम खां किस तरह का व्यवहार अपने अधिकारियों और मातहतों के साथ करते थे । आजम का व्यवहार शायद ही किसी को पसंद आता हो । न उनका व्यवहार अच्छा था और न ही उनका बोलने का तरीका। उन्होंने अधिकारियों को तनखईया बताया तो जयाप्रदा के अंतर्वस्त्रों का रंग बताने का करतब भी मंच से कर डाला। अब उन्हीं आजम के पैरों में गिरकर सपा अध्यक्ष पता नहीं किस समाज का वोट सहेजने की कोशिश कर रहे हैं। भले ही आजम के भी कई छोटे मुकदमे दर्ज कर दिये गये हों, उन पर ज्यादती लोगों को महसूस हो रही हो लेकिन आजम इतने सरल नहीं थे । उनकी भ्रष्टाचार की कहानी आपको रामपुर ही नहीं पूरे प्रदेश में पसरी मिल जायेंगे लेकिन सपा अभी भी उनका मोह नहीं छोड़ पा रही है। शायद इसीलिए समाजवादी पार्टी से आम हिंदू जो सामान्य वर्ग का है, वह अपने को जोड़कर सहज नहीं महसूस करता है। इन दिनों उत्तर प्रदेश के 15 जिलों में अखिलेश यादव के खिलाफ माफिया और दंगों के आरोपों वाले पोस्टर सामने आए हैं। वहीं, 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले मुस्लिम वोट बैंक साधने के लिए अखिलेश ने रामपुर जेल में आजम खान से मुलाकात की। यह मुलाकात सपा के पीडीए फॉर्मूले और सियासी समीकरणों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश के 15 जिलों में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव को निशाना बनाने वाले पोस्टर सामने आए हैं। इन जिलों में लखनऊ, बलिया, मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़, वाराणसी, बस्ती, हरदोई और सीतापुर शामिल हैं। अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और आजम खान की तस्वीरों वाले इन पोस्टरों पर लिखा है - क्या आप सपा पर भरोसा कर सकते हैं? सभी माफिया भाई-भाई हैं।

राजेश श्रीवास्तव

भाषा की यह गिरावट...

अशोक भाटिया

आत्मघाती कड़वाहट: हताशा में मर्यादा की लक्ष्मण रेखा भूली कांग्रेस

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास वैचारिक असहमतियों, तीखे तर्कों और धारदार बहसों से समृद्ध रहा है। संसद से लेकर सड़क तक, देश ने दक्षिणपंथ से लेकर वामपंथ और क्षेत्रीय अस्मिताओं के बीच बड़े-बड़े वैचारिक द्वंद्व देखे हैं। लेकिन, अतीत में इन सभी बहसों की एक अंतर्निहित मर्यादा होती थी। राजनीतिक विरोधी एक-दूसरे की नीतियों पर प्रहार करते थे, चरित्र और मर्यादाओं पर नहीं। दुर्भाग्य से, समकालीन राजनीति ने संवाद की उस समृद्ध परंपरा को हाशिए पर धकेल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत पिता को लेकर की गई एक बेहद विवादित टिप्पणी (रमोदी का बाप भी जाएगाश) और उसके बाद आज पूरे देश में मचा सियासी बवाल इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। पटना के एक कार्यक्रम में सामने आए इस बयान ने न केवल एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, बल्कि यह सवाल भी नए सिरे से उठा दिया है कि क्या देश का राजनीतिक नेतृत्व जन-सरोकारों से ध्यान भटकाने के लिए भाषा की मर्यादा की बलि चढ़ाने पर आमादा है? घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकर्ताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं। पटना की सभा में जब भीड़ से किसी ने नारा लगाया या कुछ कहा, तो उसके जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष का आपा खोना और प्रधानमंत्री के उस दिवंगत पिता तक पहुंच जाना, जो कभी राजनीति का हिस्सा ही नहीं रहे, किसी भी सभ्य समाज और स्वस्थ लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। आज इसी का नतीजा है कि भारतीय जनता पार्टी देश भर के सभी राज्य मुख्यालयों में इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन कर रही है, पटना की अदालतों में शिकायतें दर्ज हो रही हैं और संसद से लेकर सड़कों तक का माहौल एक बार फिर वैचारिक विमर्श के बजाय व्यक्तिगत प्रतिशोध की आग में झुलस रहा है।

इस पूरे विवाद में दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें और रणनीतियां हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी जैसे भाजपा के शीर्ष नेताओं ने इसे लोकतंत्र की न्यूनतम मर्यादाओं को तार-तार करने वाला कृत्य करार दिया है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि जब विपक्ष नीतियों के मोर्चे पर सरकार को घेरने में नाकाम रहता है, तो वह व्यक्तिगत कुंठा और हताशा में इस तरह के आक्षेपों पर उतर आता है। दूसरी तरफ, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से सफाई पेश की जा रही है कि इस बयान को संदर्भ से काटकर देखा जा रहा है। उनका कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का इरादा किसी के स्वर्गीय पिता का व्यक्तिगत अपमान करना नहीं था, बल्कि वे एक वैचारिक संदर्भ (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या सरकार की नीतियां) में अपनी तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया दे रहे थे। लेकिन क्या राजनीति में 'संदर्भ' की आड़ लेकर व्यक्तिगत गरिमा पर चोट करने की छूट दी जा सकती है? यह एक ऐसा बुनियादी सवाल है, जिससे कोई भी दल बच नहीं सकता।

इस मुद्दे का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक और राष्ट्रीय विस्तार है। मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दक्षिण भारत (कर्नाटक) के एक बेहद वरिष्ठ और जमीनी नेता हैं, जिन्होंने दशकों तक संसदीय राजनीति को करीब से देखा है। वहीं, यह घटना उत्तर भारत के राजनीतिक रूप से सबसे जागरूक राज्य बिहार (पटना) में घटित हुई। ऐसे में यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रह जाता, बल्कि यह उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरे देश के जागरूक मतदाताओं को प्रभावित करता है। दक्षिण भारत की राजनीति आमतौर पर नीति-गत मुद्दों, कल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्रीय गौरव पर केंद्रित मानी जाती रही है, जबकि उत्तर भारत की राजनीति में भाषा और प्रतीकों का बहुत बड़ा महत्व होता है। जब दक्षिण से आने वाला एक शीर्ष नेता उत्तर भारत की धरती पर खड़े होकर देश के प्रधानमंत्री के परिवार पर ऐसी टिप्पणी करता है, तो इसका राजनीतिक और सामाजिक असर बहुत व्यापक हो जाता है। यह पूरे देश के पाठकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी राजनीति का भाषाई स्तर वाकई रसातल की ओर जा रहा है?

भाषा की यह गिरावट किसी एक दल या एक नेता तक सीमित नहीं है। अगर हम निष्पक्ष होकर देखें तो पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति के शब्दकोश में 'राक्षस', 'दीमक', 'गद्दार', 'खून का दलाल' और न जाने कितने ही अमर्यादित शब्द शामिल हो चुके हैं। एक दल जब मर्यादा लांघता है, तो दूसरा दल उससे दो कदम आगे बढ़कर जवाब देता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र बन चुका है, जिसमें जीत किसी की नहीं हो रही, बल्कि पराजय सिर्फ और सिर्फ भारतीय लोकतंत्र की हो रही है।

केंद्र एवं राज्य...

डॉ0 सीमा गुप्ता

पीएम पोषण योजना: पौष्टिक आहार,आधुनिक व्यवस्था और शीतकालीन नवाचार से संवरता नौनिहालों का भविष्य

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण' (पीएम पोषण) योजना का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता, उच्च पोषण मानकों और उन्नत तकनीकी दक्षता के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता, नियमित विद्यालयी उपस्थिति और संज्ञानात्मक सीखने की क्षमता को सशक्त आधार प्रदान करते हुए प्रदेश भर के परिषदीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रत्येक शैक्षणिक दिवस पर ताजा, स्वच्छ और निर्धारित पोषण मानकों से युक्त गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

केंद्र एवं राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए कैलोरी और प्रोटीन युक्त संतुलित आहार अनिवार्य किया गया है। बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं के प्रभावी निवारण के लिए विद्यालयों में आयरन, फोलिक एसिड एवं विटामिन बी-12 से समृद्ध फोर्टिफाइड चावल का वितरण सुनिश्चित किया गया है। दालों, हरी पत्तेदार सब्जियों और दूध के नियमित समावेश से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को नई गति मिल रही है। योजना के अंतर्गत साप्ताहिक आहार चक्र को सुरुचिपूर्ण और पोषण-संवर्धित रूप दिया गया है। इसके तहत विद्यार्थियों को मौसमी सब्जियों अथवा सोयाबीन युक्त आहार के साथ ताजे फल, दाल-चावल, मौसमी सब्जियों से समृद्ध गर्म तहरी, उबला हुआ दूध और ताजी रोटियां वितरित की जाती हैं। इसके साथ ही मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भोजन में बाजरे व मूंग की दाल से युक्त पौष्टिक खिचड़ी को भी शामिल किया गया है। स्थानीय स्तर पर पोषण की सुलभता बढ़ाने के लिए विद्यालयों में पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं, जिससे भोजन निर्माण में जैविक और ताजी सब्जियों का उपयोग हो रहा है। शीतकाल के दौरान बच्चों के शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रखने और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जनपद अलीगढ़ में विशेष शीतकालीन पूरक आहार व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। अलीगढ़ के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा कंपोजिट विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कड़ाके की ठंड में नियमित मध्याह्न भोजन के साथ गरमा-गरम और ऊर्जादायक पूरक आहार दिया जा रहा है। शीतकालीन अवधि के दौरान निर्धारित चक्र के अनुसार विद्यार्थियों को माह के निश्चित सप्ताहों में पौष्टिक मीठा सूजी का हलवा तथा अन्य सप्ताहों में मौसमी सब्जियों से भरपूर नमकीन उपमा परोसा जाता है, जिसके लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान कर गुणवत्ता और स्वाद को बनाए रखा गया है। खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को बनाए रखने के लिए भोजन वितरण से पूर्व दोहरी परीक्षण व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत शिक्षक और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता की पुष्टि करते हैं।

जरा हटके

इन क्षेत्रों से जुड़ी ...

केवल राम

प्रदेश में महिला उद्यमियों एवं निवेशकों को पर्यटन से जोड़कर पर्यटन स्थलों एवं संस्कृति का होगा विस्तार

उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों को अब सिर्फ घूमने की जगह के तौर पर नहीं, बल्कि वहां की कला, खानपान, परंपरा और स्थानीय लोगों की आजीविका से जोड़कर देश-दुनिया तक पहुंचाने की तैयारी है। इसी दिशा में पर्यटन विभाग करीब 50 महिला उद्यमियों, निवेशकों और डिजिटल क्रिएटर्स को लखनऊ से वाराणसी और सारनाथ की तीन दिवसीय यात्रा पर भ्रमण कराया जा रहा है। ''विजिट माय स्टेट अभियान'' के तहत इस यात्रा में महिलाएं काशी की संस्कृति, बनारसी बुनकरी, खानपान, धार्मिक विरासत और बौद्ध इतिहास को करीब से समझेंगी। पर्यटन विभाग ने फिक्की फ्लो के सहयोग से इस यात्रा को तैयार किया है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों को यूपी के पर्यटन से जोड़ना है, जो फैशन, डिजाइन, आतिथ्य, यात्रा, शिक्षा, वेलनेस और डिजिटल संचार जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

इन क्षेत्रों से जुड़ी महिला उद्यमियों और डिजिटल क्रिएटर्स के जरिए प्रदेश के पर्यटन स्थलों की पहुंच नए दर्शकों और ग्राहकों तक बढ़ायेगी। इसके साथ ही पर्यटन को स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, नाविकों, खानपान से जुड़े कारोबारियों, गाइड और युवाओं की आजीविका से जोड़ने के नए अवसर भी तैयार होंगे। लखनऊ से शुरू होकर वापस लखनऊ में समाप्त होने वाली यह यात्रा प्रतिभागियों को वाराणसी के घाटों, मंदिरों, खानपान और हथकरघा समूहों से रूबरू कराएगी। यात्रा में काशी विश्वनाथ मंदिर, गंगा आरती, सूर्योदय के समय नौका भ्रमण, रामनगर किला और स्थानीय व्यंजनों का अनुभव शामिल है। इसके साथ ही प्रतिभागी यह समझेंगे कि गंगा, आध्यात्मिकता, खानपान और बनारसी बुनकरी किस तरह मिलकर काशी की जीवंत विरासत तैयार करते हैं।

इस यात्रा के जरिए पर्यटकों को केवल किसी एक स्मारक तक सीमित रखने के बजाय शहर की परंपराओं और लोगों से जुड़कर अधिक समय बिताने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। लखनऊ को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी की पहचान मिलने से उत्तर प्रदेश के खानपान को वैश्विक मंच मिला है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए वाराणसी में महिला उद्यमियों को स्थानीय भोजन, आध्यात्मिक परंपराओं, गंगा और बुनकरी की दुनिया से जोड़ा जाएगा। इस यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा बनारसी साड़ी और हथकरघा परंपरा को समझना भी है। प्रतिभागी बुनकरों, हथकरघा उद्यमियों और व्यापारियों से मिलकर डिजाइन, रंगाई, बुनाई, जरी के काम, फिनिशिंग से लेकर तैयार साड़ी की बिक्री तक पूरी प्रक्रिया को करीब से जानकारी दी जायेगी। यात्रा में बनारसी साड़ी को आधुनिक पहनावे से जोड़ने पर भी चर्चा होगी। साड़ी बैक इन फैशन पहल के तहत फैशन, डिजाइन, टिकाऊपन और रिटेल क्षेत्र से जुड़ी महिला प्रतिभागी साड़ी की नई स्टाइलिंग, लुकबुक, बाजार से संपर्क और डिजिटल कहानियों पर काम करेंगी। इसका मकसद पारंपरिक बनारसी साड़ी को रोजमर्रा, कॉरपोरेट और औपचारिक पहनावे में नए तरीके से प्रस्तुत करना है। इससे बुनकरों और हथकरघा कारोबार से जुड़े लोगों को नए बाजार और ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यटन ऐसे अनुभव विकसित कर रहा है, जिनसे यात्री हर गंतव्य की पहचान बनाने वाले लोगों और परंपराओं से जुड़ सकें। ''विजिट माय स्टेट अभियान'' के जरिए पर्यटन से बनने वाली पहचान को लंबे समय तक ठहरने वाले पर्यटकों, मजबूत बाजार और स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार व कारोबार के अवसरों में बदलने का प्रयास है। इसका लाभ बुनकरों, कारीगरों, गाइड, नाविकों, खानपान से जुड़े कारोबारियों और युवा पर्यटन पेशेवरों को विशेष रूप से होगा।

किसी पर्यटन स्थल का प्रत्यक्ष अनुभव उसके बारे में अधिक विश्वसनीय और प्रभावी तरीके से बताने में मदद करता है। यात्रा में खानपान, हस्तशिल्प, आध्यात्मिक विरासत और बौद्ध पर्यटन को जोड़कर यात्रियों को गहराई से प्रदेश को समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही इससे पर्यटन अर्थव्यवस्था में स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी बढ़ेगी। महिला उद्यमियों और बाजार से जुड़े लोगों की बुनकर समुदाय से सीधी बातचीत को इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस महिला यात्रा का अंतिम पड़ाव सारनाथ होगा, जहां प्रतिभागी धामेक स्तूप, चौखंडी स्तूप, मूलगंध कुटी विहार और पुरातत्व संग्रहालय का भ्रमण करेंगी। जुलाई 2026 में सारनाथ को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किए जाने के बाद इसकी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पहचान और मजबूत हुई है। यात्रा के बाद प्रतिभागी यूपी की इन पर्यटन कहानियों को अपने कारोबारी नेटवर्क, ग्राहकों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया समुदायों तक पहुंचाएंगी। इससे प्रदेश के कारीगरों और पर्यटन से जुड़े हितधारकों के साथ नए कारोबारी और सहयोग के संबंध विकसित होंगे।

खड़गे की तस्वीर चप्पलों से पीटी, बोले- जिस भाषा में समझ आएगा, उसी में जवाब देंगे

भाजपाइयों ने राहुल की तस्वीर जूतों से कुचली

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। हजरतगंज में लालजी टंडन की प्रतिमा से गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की तस्वीरों को जूतों से कुचला और मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीरों को चप्पलों से पीटा। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लगातार की जा रही टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। वहीं, भाजपा नेता रणवीर सिंह कलशी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वे देश की जनता का विरोध बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। जिस भाषा में उन्हें समझ आएगा, उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा। लखनऊ में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मार्च निकाल रहे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पुलिसकर्मी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि देश विरोधी ताकतें देश को विभाजित करने का प्रयास कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे को इस टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। अगर वे माफी नहीं मांगते हैं, तो भाजपा कार्यकर्ता आगे भी प्रदर्शन करेंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला मार्च

लखनऊ में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मार्च निकाल रहे हैं। कार्यकर्ताओं के हाथों में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के पुतले हैं। पुतलों के बीच कुत्ते को भी प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया है। भाजपा कार्यकर्ता खड़गे की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं और माफी की मांग कर रहे हैं।

'पीएम के पिता के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल, बर्दाश्त नहीं करेंगे'

सीता सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे साथ युवा पीढ़ी यानी जेन-जी भी है। उनका आरोप है कि विपक्षी नेता जेन-जी को लेकर भी उल्टी-सीधी बातें करते हैं।

> **भाजपा कार्यकर्ताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीरों को चप्पलों से पीटा। कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की।**

भाजपा ने अपने 13 लाख वोटर बढ़ाए : संजय सिंह

कई जिलों में मुसलमानों के नाम सूची से गायब किए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि भाजपा ने यूपी में अपने 13 लाख वोटर बढ़वाए। पीलीभीत जैसे कई जिलों में मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से कटवा दिए। 5 प्रतिशत नाम बचे हैं, जिनमें कुछ के पिता के नाम 'भीख मांगते हैं' और 'राम ने यादव को मारा' जैसे लिखे गए हैं।

संजय सिंह ने ये आरोप सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए। उन्होंने उत्तर प्रदेश की वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, काटने और मतदाताओं के विवरण में गलतियां होने का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के एक जवाब पर कड़ी आपत्ति जताई। संजय ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार मतदाता सूची में गड़बड़ियों का मुद्दा उठा रही है, लेकिन चुनाव आयोग की ओर से संतोषजनक जवाब देने के बजाय विवादित प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं।

संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रांत अध्यक्ष राजेश यादव ने मतदाता सूची में दर्ज कुछ नामों और उनके विवरण में कथित गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाए थे। इनमें 'राम ने यादव को मारा' जैसी एंट्री और मतदाताओं के नामों के साथ पिता के नाम में गलतियां शामिल थीं। उन्होंने 'मोहम्मद इकबाल बेग' नाम को गलत तरीके से 'मोहम्मद इकबाल भीख मांगते हैं' लिखे जाने का भी आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि इस तरह की गलतियां मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती हैं।

फास्ट न्यूज

श्रद्धा से 3 दिन में कोई मिलने नहीं पहुंचा

लखनऊ । लखनऊ के चर्चित कारोबारी शिवा शर्मा मामले में आरोपी श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर उर्फ दानिश जेल में बंद हैं। जेल में बंद हुए तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उनसे मिलने कोई नहीं पहुंचा है। श्रद्धा ने जेल प्रशासन को मिलने की इच्छा जताते हुए अपने करीबियों की सूची दी है, जिसमें पिता और अन्य घरवालों के नाम शामिल हैं। वहीं, पुलिस जांच में श्रद्धा को फरार कराने में मदद करने वाले 3 अन्य लोगों की पहचान की गई है, जिनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

बीकेटी में सीमेंट लदी डीसीएम ने बाइक सवार को रौंदा

बख्शी का तालाब । लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) इलाके में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में 42 साल के दूध कारोबारी अजयवीर सिंह यादव की मौत हो गई। आउटर रिंग रोड पर लालपुर गांव के पास वह अपनी बाइक पर पैर रखकर सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान सीमेंट से लदी एक तेज रफ्तार डीसीएम ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अजयवीर बाइक समेत करीब 30 मीटर तक घिसटते चले गए और डीसीएम में फंस गए। ग्रामीणों ने डीसीएम पलटकर उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी।

सीएचओ का धरना

लखनऊ । लखनऊ में उत्तर प्रदेश के 17 हजार से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) का आलमबाग स्थित इको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना 29वें दिन भी जारी रहा। सीएचओ अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण या कैडर निर्माण, 4800 ग्रेड पे के समकक्ष वेतन, स्थानांतरण नीति लागू करने, कैशलेस इलाज और सामाजिक सुरक्षा की सुविधा शामिल हैं।

लखनऊ-गोंडा हाईवे पर चलती कार बनी आग का गोला

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र में लखनऊ-गोंडा हाईवे पर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मलिहामऊ गांव के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। कार से धुआं निकलता देख चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल वाहन रोक दिया। इसके बाद कार में सवार दंपती ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दंपती सुरक्षित बच गए।

जानकारी के अनुसार, सीतापुर जनपद निवासी अभय प्रताप अपनी पत्नी नीतू के साथ कार से बहराइच से लखनऊ जा रहे थे। सोमवार को जब उनकी कार रामनगर थाना क्षेत्र के मलिहामऊ गांव के पास लखनऊ-गोंडा हाईवे पर पहुंची, तभी अचानक कार में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। शुरुआत में कार से धुआं निकलने लगा। कुछ ही पलों में धुआं बढ़ने के साथ आग की लपटें दिखाई देने लगीं।

कार में आग लगने का एहसास होते ही चालक ने बिना देर किए वाहन रोक दिया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अभय प्रताप और उनकी पत्नी नीतू तुरंत कार से बाहर निकल आए। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। हाईवे पर चलती कार में आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई।

श्रद्धालु बनकर आई महिला देवी के गहने लेकर फरार, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

मंदिर में दिनदहाड़े चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के सआदतगंज इलाके में मंदिर के भीतर दिनदहाड़े चोरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला श्रद्धालु बनकर मंदिर में दाखिल हुई और मौका मिलते ही देवी-देवताओं के आभूषण चोरी कर फरार हो गई। घटना में मां लक्ष्मी की मूर्ति पर लगा चांदी का छत्र और नथुनी के अलावा श्रीनाथ जी का मुकुट गायब होने की जानकारी सामने आई है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध महिला की गतिविधियां कैद होने की बात कही जा रही है। फुटेज के आधार पर पुलिस महिला की पहचान करने में जुटी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिला की पहचान करने का प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि चोरी की वारदात को महिला ने अकेले अंजाम दिया या उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था।

पुलिस के मुताबिक, मामले में अभी लिखित तहरीर मिलने का इंतजार किया जा रहा है। शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिला की पहचान और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। दिनदहाड़े मंदिर में हुई इस घटना के बाद श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का माहौल है। अब पुलिस की जांच के बाद ही चोरी की पूरी घटना और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सुबह 8:30 से 9:30 बजे के बीच हुई घटना

जानकारी के मुताबिक, चोरी की घटना सुबह करीब 8:30 बजे से 9:30 बजे के बीच हुई। आरोप है कि महिला मंदिर में सामान्य श्रद्धालु की तरह पहुंची। इसी दौरान उसने मां लक्ष्मी की मूर्ति से चांदी का छत्र और नथुनी उतार ली। इसके साथ ही मंदिर में विराजमान श्रीनाथ जी का मुकुट भी गायब मिला। घटना की जानकारी होने पर मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया। मंदिर में देवी-देवताओं के आभूषण गायब मिलने के बाद परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसमें एक संदिग्ध महिला की गतिविधियां दिखाई देने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

यूपी चुनाव आयोग सीईओ ने वोटर लिस्ट में गलती पर दिया ये जवाब

'शुक्र है राम ने अल्पसंख्यक को नहीं मारा'

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । यूपी के वोटर लिस्ट में मतदाताओं के नाम में भयंकर गड़बड़ियां हो रही हैं. आयोग का सॉफ्टवेयर अंग्रेजी से हिंदी ट्रांसलेशन करने के चक्कर में वोटरों के नाम का अर्थ का अनर्थ कर दे रही है. अब इन गलतियों पर जब लोगों ने निर्वाचन आयोग को आड़े हाथो लिया तो मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भी इस पर अपनी अजीबोगरीब सफाई दी है, जो अब वायरल हो रहा है. अब नामों को गलत तरीके से लिखने और आयोग के जातिवादी होने पर मुख्य निर्वाचन आयोग यानी सीईओ उत्तर प्रदेश के एक्स हैंडल से जो सफाई आई है. उसने सोशल मीडिया पर पर लोगों का ध्यान खींचा है. सीईओ का जवाब भी नामों के अनुवाद में हुई गलतियों की तरह ही काफी अजीबोगरीब है.

एक्स पर @ceoup हैंडल से नाम में गलती हुए एक मतदाता पर्ची का स्क्रीनशॉट शेयर किया गया है. इसमें वोटर का नाम रवि शर्मा है और पिता के नाम में लिखा है - 'राम ने शर्मा को मारा'. दरअसल, यह अंग्रेजी में लिखे - Ramhit Sharma का हिंदी ट्रांसलेशन है.

इस सफाई के साथ आरोप लगाने वाले उस वीडियो को भी अटैच किया गया है, जिसमें आयोग पर जातिवादी होने का आरोप लगाया गया था. उसमें भी 'राम ने यादव को मारा' जैसी गलती हुई थी. उसी को लेकर आयोग के जातिवादी होने का आरोप लगाया गया था. यह हिंदी ट्रांसलेशन Ramhit Yadav का था. यूपी की मतदाता सूची में ऐसी ढेरों गलतियां हुई हैं. कहीं Fool kali Devi को 'मूर्ख काली देवी' लिख दिया गया है. जबकि, इसका शुद्ध नाम फूलकली देवी होना चाहिए. इसी तरह Khalid ALI Said को 'खालिद अली ने कहा' बना दिया गया है.

सोशल मीडिया पर वोटरों के नाम में हुई इन गलतियों को लेकर खूब बहस हो रही है. आरोप लगाने वाले लोग भी तरह - तरह के तर्क दे रहे हैं. वहीं आयोग भी इस पर खूब सफाई दे रहा है और जैसा को तैसा वाली तर्ज पर अजीबोगरीब जवाब भी दे रहा है. जैसा कि यहां ऊपर दिए गए पोस्ट में दिखाई दे रहा है।

वायरल हो रहे गलतियों के स्क्रीनशॉट

निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची में वोटर्स के नाम के साथ ऐसी कई गड़बड़ियां हुई हैं. इसमें आयोग के सॉफ्टवेयर ने अंग्रेजी से हिंदी में वोटर्स के नाम का ट्रांसलेशन करने में भयंकर गलतियां कर दी है. इन गलत हुए नाम के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं. इसके साथ ही आयोग भी इन पर इसी तरह से अपनी सफाई भी दे रहा है।

कैसी- कैसी हो रही गड़बड़ियां

अब इस स्क्रीन शॉट के साथ आयोग ने सफाई दी है - हालिया विधान परिषद के चुनाव की मतदाता सूची में एक अजीबोगरीब नाम "राम ने शर्मा को मारा" भी है. कंप्यूटर/सॉफ्टवेयर जातिवादी नहीं है. हमारे द्वारा गलती किया जाना स्वीकार है लेकिन हमारे सौभाग्य से गलती होते समय भी जाति का भेदभाव नहीं हुआ है. भगवान का यह भी शुक्र है की राम ने किसी अल्पसंख्यक को नहीं मारा है. नहीं तो जातिवादी होने के साथ-साथ सांप्रदायिक होने का इल्ज़ाम भी लगता।

68,500 शिक्षक-भर्ती अभ्यर्थियों ने शिक्षा-मंत्री का आवास घेरा

बाहर सुंदरकांड का पाठ किया, नियुक्ति न मिलने पर भड़के

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में सोमवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव कर सुंदरकांड का पाठ किया। उन्होंने सरकार और अधिकारियों की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान नियुक्ति की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामा हुआ। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है, आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है, आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस ने अभ्यर्थियों को मौके से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों को उठाकर ले जाते दिखे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और अभद्रता करने के आरोप लगाए। पुलिस ने अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन करने आए तूफान सिंह ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता।

घटना : पीठ पर पटरा मारते रहे, पुलिस पहुंची तब रुके, कई ठेले गिरे

लोहिया संस्थान के बाहर ठेलेवालों ने तीमारदारों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में लोहिया संस्थान के बाहर ठेले लगाने वालों ने तीमारदारों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। एक तीमारदार बचने के लिए भागने लगा तो उसकी पीठ पर कई लोग पटरा मारते दौड़ाते रहे। इस अफरातफरी में कई ठेले भी गिर गए। पुलिस पहुंची तब ठेलेवालों ने तीमारदारों को पीटना बंद किया।

नारियल पानी बेचने वाले ने ठेलों के नीचे रखे पटरे निकाल लिए थे। एक तीमारदार को खदेड़ते हुए उसकी पीठ पर पटरा मारते रहे। लोहिया संस्थान के गेट पर तीमारदार गिर गया तो उसे करीब 10 से ज्यादा ठेलेवालों ने पटरे से काफी देर तक पीटा। मामला विभूतिखंड थाना क्षेत्र में लोहिया संस्थान के गेट नंबर-8 के सामने दोपहर 3 बजे का है। लोहिया संस्थान में इलाज कराने आए तीमारदार बाहर नारियल पानी खरीदने निकलते हैं। नारियल पानी खरीदते समय ही विवाद हो गया। इसके बाद दो पक्ष बन गए, फिर जमकर मारपीट होने लगी। इस घटना का किसी ने वीडियो रिकॉर्ड किया। इस वीडियो में इतनी जबरदस्त मारपीट हो रही है।

> **आसपास के अन्य दुकानदारों का कहना है जब से नए चौकी प्रभारी आए हैं, तब से पैसा लेकर परमानेंट दुकानों के सामने ठेले लगवाते हैं। उन्हें की सह पर यह ठेले वाले तीमारदारों से बदतमीजी करते हैं और कई बार मारपीट कर चुके हैं।**

करीब 30 मिनट तक चलती रही मारपीट

घटना से लोहिया संस्थान में इलाज कराने आए लोगों को काफी दिक्कत हुई। गेट पर मारपीट होने की वजह से कोई अंदर नहीं जा पा रहा था। मामला करीब आधे घंटे तक का चलता रहा। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने भी दबंग मारते रहे। संस्थान में इलाज कराने आए लोग बाहर खाने पीने के लिए आए थे। ठेला पलटने की वजह से उनका खाना भी गिर गया। मामले में इंस्पेक्टर विभूतिखंड उपेंद्र सिंह का कहना है एक पक्ष दुकानदार है दूसरा पक्ष संस्थान में इलाज कराने आए मरीज के तीमारदार हैं। नारियल पानी को लेकर विवाद हुआ था। इसमें दुकानदार ने तीमारदार पर हमला कर दिया। पीड़ित से तहरीर लेकर वीडियो की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है।

मुझे कुर्सी चाहिए, मैं साधु-संत थोड़ी हूं : अखिलेश यादव

पूर्व आईएएस राम बहादुर और अमेरिका रिटर्न सबीना को सपा जॉइन कराई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा, "हम राजनीति में सरकार बनाने और जनता की सेवा करने के लिए आए हैं। मैं कोई साधु-संत थोड़ी हूं, जो जंगल या मठ में चला जाऊंगा। हमें तो कुर्सी चाहिए, ताकि प्रदेश का विकास कर सकें।"

सपा प्रमुख का यह बयान सीएम योगी के उस बयान पर पलटवार था, जिसमें उन्होंने कहा था, "साधु-संतों का लक्ष्य सत्ता या कुर्सी नहीं होता, बल्कि लोक कल्याण और सेवा होता है। सत्ता और कुर्सी की लालसा उन लोगों को होती है, जिन्हें केवल परिवारवाद और सत्ता का मोह है।"

अखिलेश ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में करीब 20 नेताओं को सपा की सदस्यता दिलाई। इनमें अमेरिका से आईं सबीना परवीन, बदायूं की दातागंज सीट से दो बार विधायक रहे सिनोद शाक्य, बिसौली के पूर्व विधायक कुशाग्र सागर, मेरठ के बसपा नेता दारा सिंह प्रजापति और पूर्व IAS राम बहादुर पासी जैसे बड़े चेहरे शामिल हैं।

राम बहादुर पासी बसपा शासनकाल में मायावती के करीबी माने जाते थे। इस मौके पर पांच गरीब महिलाओं को नए घरों की चाबियां सौंपी गईं। अखिलेश यादव ने गरीबों के लिए पांच लाख रुपए में मकान बनवाकर देने वाले मंतोष यादव को सम्मानित किया।

अखिलेश बोले- जिनके साथ दारा, अखाड़ा वही जीतेगा

अखिलेश यादव ने कहा- इन जॉइनिंग से पूरे प्रदेश में बड़ा संदेश गया है। इससे पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की लड़ाई और मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि नेताओं के आने से समाजवादी पार्टी और पीडीए परिवार की जीत और बड़ी होगी। दारा सिंह प्रजापति का जिक्र करते हुए बोले कि जिनके साथ दारा होंगे, वही अखाड़ा जीतेगा। पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी की तारीफ करते हुए अखिलेश ने कहा कि नौकरी के दौरान भी उनकी अपनी पहचान रही है और जिसके नाम में 'राम' जुड़ा हो, उसके सब काम बन जाएंगे।

दर्दनाक मौत शव देखकर मां-बाप बेहोश, नया गिटार खरीदकर बाइक से लौट रहा था

टीचर का इकलौता बेटा ओवरब्रिज से नीचे गिरा

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर । संतकबीरनगर में टीचर के इकलौते बेटे की ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे गिरकर मौत हो गई। किशोर सड़क पर औंधे मुंह गिरा। वह नया गिटार खरीदकर बाइक से वापस लौट रहा था।

हादसा रविवार देर रात करीब 12 बजे हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। बेटे का शव देख माता-पिता बेहोश हो गए।

मृतक की पहचान शाश्वत राय (17) के रूप में हुई है। पिता संजय राय सरकारी और मां अनिता राय प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। हादसा खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुआ।

शाश्वत के चाचा संजित राय ने बताया कि उनका भतीजा गिटार लेकर वापस घर आ रहा था। नूर मस्जिद के सामने से ओवरब्रिज से गुजरते समय पीछे से किसी गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे वह फ्लाईओवर से नीचे गोलाबाजार के पास पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर गिर गया।

उन्होंने बताया- नवरात्रि से दो दिन पहले वह घर आया था। सोमवार को वापस इलाहाबाद जाने वाला था। उसके जाने के लिए सामान की पैकिंग भी हो चुकी थी। घर से निकलते हुए शाश्वत ने मां से कहा था कि दो मिनट में गिटार लेकर आ रहा हूं। चाचा ने बताया- वह पढ़ाई में होनहार था। हाईस्कूल में 92.4% अंक हासिल किए थे। DM ने सम्मानित भी किया था। उसका सपना इंजीनियर बनने का था। उसने आईईआरटी की परीक्षा में 500वीं रैंक हासिल की थी।

इलाहाबाद में रहकर पढ़ाई कर रहा था

शाश्वत इलाहाबाद में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मूलरूप से मेंहदावल के अव्वल केवटलिया मोहल्ले में रहता था। पिछले पांच साल से मां-बाप और 4 साल की बहन खलीलाबाद शहर में किराए के मकान में रह रहे थे। पिता की तैनाती मेंहदावल विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय, गगनई बाबू में है। मां ब्लूमिंग बड्स स्कूल में पढ़ाती हैं। परिजनों के मुताबिक, शाश्वत रात करीब 8 बजे घर से गिटार लेने के लिए बाइक लेकर निकला था।

कुछ दिन पहले शाश्वत अपने मां-पिता के साथ कुछ दिन पहले हिलस्टेशन घूमने गया था।

> घटना की सूचना मिलने के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर लोगों की भारी भीड़ जुटने लगी। मेंहदावल के विधायक अनिल त्रिपाठी, सपा नेता और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी जयराम पांडेय भी पहुंचे। दोनों ने घटना पर दुख जताते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया।

कानपुर में गैंगस्टर अजय ठाकुर को भीड़ ने पीटा

स्कॉर्पियो में तोड़फोड़, ऑटो को टक्कर मारकर भाग रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर के हनुमंत विहार के जूही कलां डब्लू ब्लॉक में बर्रा के गैंगस्टर अजय ठाकुर को जमकर पीटने के बाद उसकी गाड़ी में तोड़–फोड़ कर दी गई। रविवार रात गैंगस्टर किसी युवक को विधायक लिखी अपनी काली रंग की स्कॉर्पियो में जबरन बिठाकर पीटने के लिए लाया था।

लोग चीख पुकार सुन गाड़ी के पास पहुंचे तो गैंगस्टर ने तेज रफ्तार में स्कॉर्पियो बैक कर भागने का प्रयास किया। इस दौरान उसने एक ई-ऑटो को उड़ा दिया। जिसके बाद लोगों ने गैंगस्टर को घेर कर जमकर पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल गैंगस्टर व उसके दो साथियों को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रत्यक्षदर्शी राजवीर, शेखर, राम सजीवन, बहादुर और ऑटो मालकिन सुमन ने बताया कि रविवार रात जूही कलां में खाली हुई बस्ती के पास अंधेरे में खड़ी एक काली रंग की स्कॉर्पियो के अंदर से चीख-पुकार सुनाई दे रही थी।

इस पर कुछ लोग मौके पर पहुंचे तो स्कॉर्पियों में बीजेपी का झंडा लगा हुआ था और विधायक का स्टीकर लगा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने कार का दरवाजा खटाखटाया और मामला पूछा।

इसी दौरान काले रंग की शीशा चढ़ी गाड़ी के गैंगस्टर अजय ठाकुर ने तेजी से गाड़ी बैक कर दी। इस दौरान पीछे खड़ी सुमन की ई-ऑटो को टक्कर मारते हुए स्कॉर्पियो 300 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। तेज आवाजें सुन सैकड़ों इलाकाई लोगों की भीड़ जुट गई। गाड़ी को घेर कर युवकों को नीचे उतारा गया।

फास्ट न्यूज

आगरा में होमगार्ड और बेटे पर फावड़े से हमला

आगरा। आगरा के पिनाहट थाना क्षेत्र में रास्ते में रखी बाल्टी हटाने को लेकर हुए विवाद में होमगार्ड और उनके बेटे पर हमला कर दिया गया। आरोप है कि लाठी-डंडों से मारपीट करने के साथ फावड़े से भी वार किए गए। हमले में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पिनाहट सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया गया।

आगरा में दिनदहाड़े घर में 14 लाख की चोरी

आगरा । आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में चोरों ने दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया। परिवार के लोग दो घंटे के लिए बाहर गए थे, इसी बीच में चोर घर में घुसे और आभूषण और नकदी समेत करीब 14 लाख रुपये कीमत का माल ले गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ट्रांस यमुना क्षेत्र के नगला रामबल स्थित आजाद नगर में सतेंद्र सिंह पिछले सात साल से परिवार के साथ रह रहे हैं। वह पीवीसी कंपनी में सुपरवाइजर हैं। उनका बेटा विक्की ठाकुर नोएडा में नौकरी करता है। घर पर पत्नी विनीता चौहान और बेटी नेहा चौहान रहती हैं।

आगरा में लगेगा दीपावली आनंद मेला

आगरा। आगरा में संस्कार भारती, आगरा महानगर की ओर से दीपावली के अवसर पर 31 अक्टूबर, शनिवार को जयपुर हाउस स्थित श्रीराम पार्क में 'दीपावली आनंद मेला' आयोजित किया जाएगा। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए मनोरंजक कार्यक्रम होंगे। यह जानकारी प्रताप नगर स्थित संस्कार केंद्र में आयोजित आमंत्रण पत्र विमोचन कार्यक्रम में दी गई।

कानपुर में दो ट्रकों के बीच फंसकर चालक की मौत

हादसे के बाद दूसरे ट्रक का चालक फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर के कलक्टरगंज थाना क्षेत्र में दो ट्रकों के बीच फंसकर एक के चालक बबलू की मौत हो गई। हादसे के वक्त वह ट्रक की सफाई कर रहा था। तभी पास खड़े दूसरे ट्रक के चालक ने वाहन आगे बढ़ा दिया। इससे बब्लू दोनों वाहनों के बीच दब गया। परिवार के लोगों का आरोप है कि उसे जानबूझकर कुचल गया है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह बब्लू ट्रक की सफाई कर रहा था। इसी दौरान पास खड़े दूसरे ट्रक के चालक ने गाड़ी चालू कर आगे बढ़ा दी। बब्लू दोनों ट्रकों के बीच फंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाकर चालक से गाड़ी पीछे करने को कहा। जब तक लोग बब्लू को बाहर निकालने के लिए दौड़े, उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद दूसरा ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में युवक दोनों ट्रकों के बीच फंसा दिखाई दे रहा है। ट्रक पीछे किए जाने पर वह जमीन पर गिर जाता है। मृतक के भाई का आरोप है कि बब्लू को जानबूझकर कुचला गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह हादसा था या घटना के पीछे कोई दूसरी वजह थी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 112 पर दी। सूचना मिलते ही कलक्टरगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

मथुरा में बहन की हत्या करके लाश दफनाई

हिंदू युवक से लव-मैरिज करने से नाराज था, 4 महीने पहले की थी शादी

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा में दूसरे धर्म के युवक से लव मैरिज करने पर भाई ने बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद शव को दफना दिया। पति ने राजस्थान से पत्नी को फोन किया तो उसका फोन बंद मिला।

15 दिन तक काफी कोशिश के बाद भी जब उससे सम्पर्क नहीं हो पाया तो उसने पत्नी के घरवालों से फोन करके उसके बारे में पूछा।

पहले तो वे टालमटोल करते रहे फिर फोन उठाना बंद कर दिया। उसे अनहोनी का शक हुआ। जिसके बाद उसने पत्नी के अपहरण किए जाने की सूचना राजस्थान के झुंझुनू थाने की पुलिस को दी। राजस्थान पुलिस ने मामले की जांच के लिए मथुरा पुलिस के पास 23 अक्टूबर को मेल भेज दिया। उसके बाद मथुरा के थाना गोविंद नगर पुलिस छानबीन में जुट गई। पुलिस ने पहले युवती के घरवालों से पूछताछ की। वे गोलमोल जवाब देते रहे। पहले कहा कि वे नहीं जानते हैं लड़की कहां हैं। लेकिन बाद में भाई ने बताया की करंट लगने से बहन की मौत हो गई है। को ही शक के आधार पर पुलिस ने भाई को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो वो एक ही बात कहता रहा कि करंट लगने से बहन की मौत हुई है लेकिन जब पुलिस ने सख्ती की तो बताया कि उसने बहन की गला दबाकर हत्या कर दी थी और शव को कब्रिस्तान में दफना दिया है। रविवार को सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश पर कब्रिस्तान से युवती का शव निकलवाया गया और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। इस मामले में हत्या के आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया। जबकि मां और मौसी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला मथुरा के थाना गोविंद नगर क्षेत्र का है। नाजिया के मायके जाने के 15 दिन बाद तक जब वापस नहीं लौटी तो पति को शक हुआ। उसके बाद उसने नाजिया के परिजनों को फोन किया। पहले तो वह टालमटोल करते रहे। बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। जिसके बाद रविन्द्र को अनहोनी की आशंका होने लगी।

4 महीने पहले की शादी

नाजिया के परिजन जब इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं हुए तो वह 4 महीने पहले घर छोड़ कर चली गई। उसके बाद उसने रविन्द्र से शादी कर ली। 3 महीने तक नाजिया के परिजन उससे रिश्ता तोड़ने के लिए कहते रहे लेकिन नाजिया नहीं मानी।

इसके बाद परिजनों ने रिश्ता कबूल होने का दिखावा किया। 25 सितंबर को नाजिया की मां और मौसी किसी तरह बातों में फंसाकर उसे मथुरा ले आईं। यहां कुछ दिन रहने के बाद जब नाजिया ने वापस जाने के लिए कहा तो परिजन विरोध करने लगे।

दो साल तक दिल्ली में साथ काम करने के बाद हुआ था प्यार

पुलिस के अनुसार- मथुरा के बद्रीनगर नई बस्ती की रहने वाली नाजिया उर्फ जन्नत दिल्ली में एक स्पोर्ट्स के कपड़े बनाने वाली फैक्ट्री में काम करती थी। यहीं पर उसकी मुलाकात राजस्थान के झुंझनू जिले के गांव पचेरीकलां के रहने वाले रविंद्र से हुई थी।

दोनों में बातचीत के बाद दोस्ती हो गई। दोस्ती फिर अफेयर में बदल गई। दोनों में दो साल तक अफेयर चला। दोनों ने अपने परिजन को अपने रिश्ते के बारे में बताया तो रविंद्र के घरवाले तो मान गए लेकिन नाजिया के परिजन शादी की बात पर तैयार नहीं हुए।

सिर पर चोट लगने से मौत, झांसी में 4 महीने पहले हुई थी शादी

होटल में अचानक गिरी बैंक मैनेजर की पत्नी

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी के एक होटल में बैंक मैनेजर की पत्नी की मौत हो गई। दोनों की 4 महीने पहले ही शादी हुई थी। शनिवार को होटल में कमरा बुक करके रुके थे। अगले दिन चेकआउट की तैयारी कर रहे थे। तभी कमरे के दरवाजे पर खड़ी पत्नी अचानक पीछे की तरफ सिर के बल गिर पड़ी, जिससे उसका सिर फट गया। फर्श पर खून फैल गया। पति उसे उठाकर कमरे में ले गया और फिर होटल स्टाफ की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है। घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है। घटना का CCTV भी सामने आया है। इसमें महिला अपने पति और होटल कर्मचारी के साथ कमरे की ओर जाती दिख रही है। कर्मचारी और पति कमरे के अंदर जाते हैं, जबकि महिला पीछे-पीछे दरवाजे तक पहुंचती है। 4 सेकेंड में खड़े-खड़े नीचे गिर जाती है। पुलिस के मुताबिक, मृतक मुस्कान (27) अपने पति निलेश (33) के साथ होटल ऋषभ में ठहरी हुई थी। निलेश मध्य प्रदेश के विदिशा का रहने वाला है। MP ग्रामीण बैंक में सोसाइटी मैनेजर के पद पर तैनात है।

इसी साल 29 जून को मुस्कान और निलेश की शादी हुई थी।

4 महीने पहले शादी हुई थी, परीक्षा के लिए मायके आई थी

प्रेमनगर के नैनागढ़ में रहने वाले रामजीलाल सिमौलिया ने बताया- मेरी बेटी मुस्कान की शादी 29 जून को निलेश से हुई थी। हमने धूमधाम से होटल जेएस ग्रैंड से बेटी की शादी की थी। मुस्कान का 28 अक्टूबर को जेई (JE) का एग्जाम था। इसलिए 10 अक्टूबर को उसे घर ले आए। मैंने सोचा चलो, मुस्कान एग्जाम भी दे देगी और कुछ दिन मेरे पास रह लेगी। हमें नहीं पता था कि निलेश अचानक रात में आ जाएगा और सुबह-सुबह मुस्कान को लेकर चला जाएगा। निलेश 23 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे आया। अगले दिन वह मुझसे झूठ बोलकर मुस्कान को अपने साथ ले गया। कहा कि अपनी मौसी के यहां गणेश विहार कॉलोनी जा रहा हूं। मैंने कहा कि चले जाओ बेटा।

रामजीलाल ने बताया- जब हम होटल में थे तो निलेश ने दोबारा फोन किया। कहा कि कपूर नर्सिंग होम आ जाइए। हम कपूर नर्सिंग होम पहुंचे। लेकिन, वहां भी वह हमें नहीं मिला। निलेश ने हमें फिर फोन कर पहले मेडिकल कॉलेज फिर सिविल अस्पताल बुलाया। जब हम सिविल पहुंचे, तो वहां मुस्कान को मृत पाया।

'मुझे लगता था सरकार चलाने वाले भगवान के उपासक हैं'

फूट-फूटकर रोने वाले सपा प्रत्याशी बोले- मेरा भ्रम टूटा, अब चुनाव नहीं लड़ूंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा खंड स्नातक-शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 3 बूथों पर सोमवार को दोबारा मतदान हो रहा है। सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल की शिकायत पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर री-पोल कराया जा रहा है।

आकाश अग्रवाल ने बातचीत में कहा- री-पोल हो रहा है, इसका मतलब है कि चुनाव आयोग ने मान लिया है कि बूथ कैप्चरिंग हुई थी। मैंने लिखित शिकायत के साथ वीडियो भी दिए थे। बहुत बड़े पैमाने पर बूथ कैप्चरिंग हुई और लोकतंत्र की हत्या कर दी गई।

उन्होंने कहा- मुझे लगता था कि उत्तर प्रदेश सरकार चलाने वाले भगवान राम के उपासक हैं और उनके आदर्शों पर चलते हैं, लेकिन

मेरा भ्रम टूट गया। अब मैं जीत-हार से ऊपर उठ गया हूं। यह मेरा आखिरी चुनाव होगा। मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा। आकाश अग्रवाल ने कहा- भाजपा सरकार में प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को डराया-धमकाया गया। लोगों के घर पुलिस भेजी गई। स्कूल प्रबंधकों के साथ बदतमीजी की गई और उन्हें भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। मैं नहीं चाहता कि 2032 के चुनाव में मेरे किसी साथी को मेरी वजह से उत्पीड़न झेलना पड़े, इसलिए मैंने तय किया है कि अब चुनाव नहीं लड़ूंगा। मुझे अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि जीत होती है या हार। मैंने पूरे उत्तर प्रदेश को बता दिया कि मैंने कितनी विषम परिस्थितियों में चुनाव लड़ा। जब किसी की आस्था टूटती है, तो दुख होता है। मेरी भी आस्था टूटी है। आकाश अग्रवाल ने कहा- मैं RSS के विद्यालयों और विद्या भारती के स्कूलों में पढ़ा हूं। देशप्रेम और राष्ट्रवाद मैंने वहीं से सीखा। मैं मानता हूं कि जन्म देने वाली मां से बढ़कर हमारी मातृभूमि है। उन्होंने कहा- मेरी सोच थी कि भाजपा सुशासन और रामराज्य की पार्टी है। मुझे लगता था कि सरकार चलाने वाले भगवान राम के उपासक हैं और उनके आदर्शों पर चलते हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

देश में दो मियां, एक...

योगी ने वाल्मीकि आश्रम में जलाभिषेक और आरती की। बटुकों और साधु-संतों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद नाना साहब धुंधूपंत पेशवा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। CM ने 411 करोड़ रुपए के 48 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और लोकार्पण किया। मंच पर पहुंचे CM योगी आदित्यनाथ, सांसद रमेश अवस्थी, मेयर प्रमिला पाण्डेय, बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा का मंत्री राहुल बच्चा सोनकर ने स्वागत किया।

योगी को सुनने के लिए लोग बिठूर नानाराव पेशवा पार्क पहुंच गए हैं। यहां पर सीएम जनसभा को संबोधित करेंगे। उससे पहले वह महर्षि वाल्मीकि आश्रम में दर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के तहत जनसभा स्थल पर सुबह 10 बजे से गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। इसके बाद सीएम योगी बिठूर पहुंचेंगे। सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि आश्रम में दर्शन करेंगे। फिर नानाराव पेशवा पार्क में जनसभा को संबोधित करेंगे।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री करीब 2 घंटे तक बिठूर में रह सकते हैं। इस दौरान वह विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे।

मुख्यमंत्री की जनसभा में बिठूर और बिल्हौर विधानसभा क्षेत्रों के लिए करीब 400 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की घोषणा होने की संभावना है। इन परियोजनाओं में कई विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण की तैयारी की गई है।

एसआईआर पर...

आयोग का कहना है कि 'मतदाता पंजीकरण नियम, 1960' के तहत निर्धारित फॉर्म में केवल केंद्र सरकार ही बदलाव कर सकती है।

आयोग ने स्पष्ट किया कि SIR प्रक्रिया के दौरान मांगा गया डिक्लेरेशन एक अलग दस्तावेज है और इसे फॉर्म 6 में किया गया संशोधन नहीं माना जा सकता। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 'इंडियन एक्सप्रेस' ने रिपोर्ट दी कि दो चुनाव आयुक्तों ने उन बदलावों पर आपत्ति जताई थी, जिनके तहत आवेदकों को खुद को, अपने माता-पिता या दादा-दादी/नाना-नानी को पिछली SIR से जोड़ने वाले डिटेल देने के लिए कहा गया था। ECI ने माना कि ऑनलाइन आवेदन प्लेटफॉर्म पर जिस तरह से यह घोषणा प्रदर्शित की गई थी, उससे ऐसा लग सकता था कि फॉर्म 6 में बदलाव किया गया है।

शाह मानहानि केस...

उनके वकील ने राहुल को बरी किए जाने की 3 वजहें बताईं

पहली- राहुल ने पूरे बयान की जो सीडी कोर्ट में दाखिल की थी, उसे मजबूत सबूत माना। राहुल ने कहा था कि उनका मकसद किसी की मानहानि करना नहीं था।

दूसरी- मानहानि का केस करने वाले विजय मिश्रा को कोर्ट ने पीड़ित व्यक्ति नहीं माना। यानी, राहुल ने शाह पर जो बयान दिया उससे विजय मिश्रा का कोई सीधा मतलब नहीं था।

तीसरी- कोर्ट ने विजय मिश्रा के आरोपों को मानहानि की श्रेणी में नहीं रखा।

2019 में कर्नाटक के कोलार में चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों है' टिप्पणी की थी। इस बयान को लेकर दर्ज मानहानि मामले में गुजरात की अदालत ने 2023 में उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी। उस समय राहुल गांधी वायनाड से सांसद थे। सजा के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी, जिससे उनकी संसद सदस्यता बहाल हो सकी।

कोर्ट ने भाजपा नेता...

जबकि, भाजपा नेता की तरफ से संतोष कुमार पांडे ने पैरवी की।

100 प्रतिशत...

नियमों में किए गए संशोधन के तहत वाहन वर्गीकरण की कुछ सीमाओं, ईंधन विनिर्देशों और उत्सर्जन संबंधी परीक्षणों में इस्तेमाल होने वाले तकनीकी संदर्भों में भी बदलाव किया गया है। इसके अलावा, इन बदलावों से प्रभावित हल्के पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए वजन की सीमा 3000 किलोग्राम से बढ़ाकर 3500 किलोग्राम कर दी गई है।

सरकार कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने के लिए पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। देश में काफी पहले E20 पेट्रोल की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें 20 प्रतिशत इथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। मारुति सुजुकी इंडिया ने इस साल जून में देश का पहली फ्लेक्स-फ्यूल पैसेंजर कार वैगनआर लॉन्च किया था, जो E20 से लेकर E100 फ्यूल से भी चल सकती है।

मारुति के अलावा, टोयोटा, टाटा मोटर्स और हुंडई समेत अन्य ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियां भी भारतीय बाजार के लिए फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां डेवलप कर रही हैं। मंत्रालय ने इससे पहले व्हीकल एमिशन नियमों में भी संशोधन का प्रस्ताव दिया था, ताकि ज्यादा इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन और वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल का दायरा बढ़ाया जा सके।

केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य E85 और E100 के साथ B100 बायोडीजल और हाइड्रोजन-सीएनजी मिश्रित फ्यूल के इस्तेमाल का प्रावधान करना था।

ज्ञानेश को हटाएं, 30...

संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है।

1 नवंबर की रैली से थोक बाजारों पर गंभीर असर पड़ सकता है। कारोबार पर भारी असर पड़ेगा, क्योंकि रिपोर्टों के मुताबिक रामलीला मैदान में 10 लाख लोग जुट सकते हैं, जबकि इसकी वास्तविक क्षमता करीब 50 हजार है।

रामलीला मैदान के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 20 से ज्यादा प्रमुख थोक बाजारों का कारोबार प्रभावित हो सकता है। इनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, खारी बावली, नया बाजार, चावड़ी बाजार, दरियागंज और कश्मीरी गेट शामिल हैं।

बैरिकेडिंग और सड़कें बंद होने से दिल्ली के बाहर से रोजाना आने वाले 3 से 4 लाख खरीदार बाजारों तक नहीं पहुंच पाएंगे। ट्रैफिक और आवाजाही पर प्रतिबंध की आशंका से स्थानीय ग्राहक भी इन बाजारों में आने से बच सकते हैं।

INDIA ब्लॉक के नेताओं ने SIR और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 से 13 अक्टूबर के बीच 8 बार प्रदर्शन किए।

कार पार्किंग को...

शोर सुनकर शिवाजी भी बाहर निकल आए। इसी बीच ऋषभ ने तैश में आकर दोनों को गोली मार दी। गोलियों की आवाज सुनकर सुयश घर से बाहर आया, तो ऋषभ ने उसे घर के पास सीढ़ियों पर गोली मार दी।

मृतक शिवेंद्र की पत्नी रुचि तिवारी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10:35 बजे पति मॉर्निंग वॉक पर जा रहे थे। तभी राजेश शुक्ला, ऋषभ शुक्ला, गिरीश शुक्ला, दिनेश शुक्ला, मुन्ना बाबू और दिनेश कुमार की बेटियां दिव्या, प्रिया व अदिति ने एक साथ मिलकर उनको घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए उन्हें लाठी-डंडों और पत्थरों से पीटा जाने लगा। शोर सुनकर मेरे जेठ शिवाजी तिवारी और भतीजा सुयश बीच-बचाव करने मौके पर पहुंचे। इस पर हमलावरों ने शिवेंद्र के साथ शिवाजी और सुयश को भी पकड़ लिया। पहले उनकी बेरहमी से पिटाई की, फिर गोली मार दी।

चुनाव आयुक्तों की...

जस्टिस ओका ने कहा कि ऐसी व्यवस्था और कानूनी प्रावधान होना जरूरी है, जिससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राजनीतिक दबदबे से तय न हो।

उन्होंने कहा कि पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने करीब 14 साल पहले कॉलेजियम व्यवस्था का प्रस्ताव दिया था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ने छिपाई आर्थराइटिस की बीमारी

खुलासा

ख्वाजा का खुलासा- 22 की उम्र में पता चला था, लगा मैं मर जाऊंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा ने खुलासा किया है कि उन्होंने पूरे इंटरनेशनल करियर में रूमेटॉइड आर्थराइटिस छिपाकर रखा। ख्वाजा ने बताया कि उन्हें 22 साल की उम्र में इस बीमारी का पता चला था। उस समय वे न्यू साउथ वेल्स के लिए प्रोफेशनल क्रिकेट में जगह बना रहे थे।

बीमारी के कारण उनके बाएं घुटने में तेज दर्द रहता था। उन्हें लगा कि वे दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। दवा और नियमित इंजेक्शन से वे करीब छह महीने बाद मैदान पर लौटे। ख्वाजा ने जनवरी 2026 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पांचवें एशेज टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया। ख्वाजा ने 88 टेस्ट में 6,229 रन और 16 शतक बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ख्वाजा को डर था कि विरोधी या आलोचक उनकी बीमारी का इस्तेमाल उनके खिलाफ कर सकते हैं। ख्वाजा ने जनवरी 2011 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पाकिस्तान में जन्मे पहले खिलाड़ी बने। इसके बाद उन्होंने संघर्ष और बड़ी उपलब्धियों से भरा करियर बनाया। उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से कई बार बाहर किया गया, लेकिन वह बार-बार टीम में लौटे। उनकी सबसे यादगार वापसी 2021-22 एशेज सीरीज में हुई। सिडनी टेस्ट की दोनों पारियों में उन्होंने शतक लगाए।

बीमारी के बारे में ख्वाजा बोले- लगा मैं मर जाऊंगा

ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियन स्टोरी कार्यक्रम में अपने अनुभव के बारे में बताया। वे चाहते हैं कि उनकी कहानी ऑटोइम्यून बीमारियों से जूझ रहे लोगों को प्रेरित करे। उन्होंने कहा, 'मुझे सच में लगा था कि मैं मरने वाला हूं। मैं बाथरूम तक 10 मीटर भी चल नहीं पाता था।'

दवाओं ने क्रिकेट में लौटने में मदद की- ख्वाजा

उन्होंने आगे कहा, 'अगर रूमेटॉइड आर्थराइटिस के साथ कोई प्रोफेशनल क्रिकेटर के तौर पर टॉप लेवल पर खेल सकता है, तो मुझे लगता है कि कई दूसरे लोग भी बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।' ख्वाजा ने बताया कि दवा ने उन्हें बीमारी के बाद क्रिकेट में लौटने में मदद की। उन्होंने कहा, 'उस दवा के बिना मैं कभी दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाता। मैं सामान्य जिंदगी भी नहीं जी पाता।'

> ख्वाजा को 2009 के ऑफ-सीजन में बीमारी का पता चला था। उन्होंने अपने साथी खिलाड़ियों से इसे छिपाए रखा। हालांकि, मेडिकल प्रोफेशनल्स, कोच और क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेटर्स को यह पता था।
>
> ड्रेसिंग रूम में सबसे करीबी लोगों को भी इस बीमारी के बारे में पता नहीं था। बचपन के क्रिकेट साथी डेविड वॉर्नर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व साथी माइकल हसी भी इससे अनजान थे।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस क्या है?

एक ऑटोइम्यून बीमारी है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) गलती से शरीर के हेल्दी सेल्स और जोड़ों की परत पर हमला करती है। इससे जोड़ों में सूजन, दर्द और अकड़न पैदा होती है।

शुरुआती लक्षण क्या है?

जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न शामिल हैं। जो अक्सर सुबह के समय अधिक होते हैं। थकान, हल्का बुखार और भूख न लगना जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं।

सामान्य जोड़ों के दर्द से कितना अलग है?

- सामान्य जोड़ों का दर्द अक्सर बढ़ती उम्र, चोट, गलत पोस्चर या जोड़ों के घिसने (ऑस्टियोआर्थराइटिस) के कारण होता है।
- रूमेटॉइड आर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून स्थिति है, जो जोड़ों के अलावा फेफड़ों, हृदय और आंखों जैसे अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती है।

नेपाल प्रीमियर लीग से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर संकट

पीसीबी के एनओसी ने रोका रास्ता, 26 अक्टूबर से शुरू होनी है लीग

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल प्रीमियर लीग (NPL) शुरू होने से ठीक पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) की अनुमति रोक दी है। लीग की शुरुआत 26 अक्टूबर से होनी है। ESPN के मुताबिक, PCB हर खिलाड़ी के लिए करीब 25 हजार अमेरिकी डॉलर की फीस मांग सकता है। हालांकि, इस रकम की मांग को लेकर PCB की ओर से कोई लिखित सूचना होने की पुष्टि नहीं हुई है।

NOC किसी खिलाड़ी को दूसरे देश की लीग में खेलने के लिए उसके क्रिकेट बोर्ड की ओर से दी जाने वाली अनुमति है। विदेशी टी-20 लीग में खेलने के लिए केवल फ्रेंचाइजी से अनुबंध करना पर्याप्त नहीं होता। खिलाड़ी को अपने राष्ट्रीय बोर्ड की शर्तें भी पूरी करनी होती हैं। यह मामला इसलिए भी अहम है, क्योंकि NPL सोमवार, 26 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेली जानी है। आठ टीमों की इस लीग के मुकाबले काठमांडू में होने हैं और कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ी पहले ही नेपाल पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट में पाकिस्तान के टी-20 कप्तान साहिबजादा फरहान, हैदर अली, हुनैन शाह, हुसैन तलत, इफ्तिखार

अहमद, हसन अली और उसामा मीर के नाम शामिल हैं। इनमें साहिबजादा फरहान पाकिस्तान की टी-20 टीम के कप्तान हैं। हुसैन तलत और इफ्तिखार अहमद भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि हसन अली और उसामा मीर गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। PCB ने इस साल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की नई व्यवस्था की घोषणा की थी। इसमें लाल गेंद से खेले जाने वाले टेस्ट क्रिकेट और सफेद गेंद के वनडे-टी20 क्रिकेट के बीच अंतर किया गया था। इस व्यवस्था का विचार यह था कि टी-20 विशेषज्ञ खिलाड़ी, यदि उनके अंतरराष्ट्रीय मैचों से टकराव न हो, तो अलग-अलग विदेशी टी-20 लीग में खेलने के अधिक अवसर पा सकें।

चोट के कारण दूसरा मैच नहीं खेला था ■ वैभव को फिर मौका मिल सकता है

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से भी बाहर

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

ईशान किशन चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे T20 मैच से भी बाहर हो गए हैं। यह मैच मंगलवार को वेलिंग्टन में खेला जाएगा। उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका मिल सकता है।

ईशान जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 24 अक्टूबर को दूसरे मैच में भी नहीं खेले थे। टीम इंडिया ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीता था। अब टीम की नजर तीसरा T20 जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त लेने पर है।

ईशान को 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले T20 के दौरान चोट लगी थी। BCCI की मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर नजर रख रही है। ईशान इस साल टी-20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय हैं।

मोर्ने मोर्कल ने ईशान की चोट की अपडेट देने के अलावा टीम के गेंदबाजों के वर्कलोड पर भी बात की। उन्होंने बताया कि टीम मैनेजमेंट 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले कुछ गेंदबाजों को बैकअप के तौर पर न्यूजीलैंड में रोक सकता है। इनमें टी-20 सीरीज में खेल रहे अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह समेत सभी गेंदबाजों को वनडे और टेस्ट के लिए तैयार रखने की योजना बनाई गई है। टीम का लक्ष्य खिलाड़ियों का वर्कलोड संतुलित रखना और थकान के कारण चोट के जोखिम को कम करना है।

> गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने सोमवार को कहा कि ईशान की रिकवरी अच्छी चल रही है। वे ट्रेनिंग में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन तीसरे टी20 के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्हें एहतियात के तौर पर आराम दिया जा रहा है।

■ ईशान को फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। मीडिया रिपोर्ट्स में यह तस्वीर चोट लगने के समय की बताई जा रही है।

वैभव को फिर मिल सकता है मौका

वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में फिर मौका मिल सकता है। वैभव दूसरे टी-20 में ईशान की जगह तीसरे नंबर पर बैटिंग करने उतरे थे। वे मैच में सिर्फ 4 रन बना पाए थे। बीसीसीआई ने ईशान की जगह कुमार कुशाग्र को टीम में शामिल किया है, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की उम्मीद कम है।

मनोरंजन

एडवांस बुकिंग में रणबीर कपूर की रामायण का दबदबा

रिलीज से 10 दिन पहले कर ली 20 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor) की फिल्म रामायणम् (Ramayana) को लेकर फैंस में खास उत्साह है। दशहरे के मौके पर यानी 20 अक्टूबर से इसकी एडवांस बुकिंग भी चालू कर दी गई है।

एडवांस बुकिंग तय रिलीज डेट से लगभग 15 दिन पहले ही शुरू हो गई थी। त्योहारी सीजन को देखते हुए पहले दिन टिकटों को लेकर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद बुकिंग की रफ्तार थोड़ी स्थिर हो गई है, लेकिन इस बड़े बजट वाली फिल्म को लेकर माहौल अभी भी पॉजिटिव बना हुआ है। 'रामायण' ने अकेले भारत में एडवांस बुकिंग के जरिए 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। पहले दिन के लिए देश भर में 2 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। शुरुआत में, प्री-सेल कलेक्शन में लगभग पूरा हिस्सा हिंदी वर्जन का था, लेकिन पिछले दो दिनों में कन्नड़ और तेलुगु भाषाओं के ज्यादा शो शुरू हो गए हैं। अभी भी फिल्म की कुल एडवांस बुकिंग में हिंदी वर्जन का हिस्सा 87% है। कन्नड़ वर्जन, जो अब लगभग 100 स्क्रीन्स पर चल रहा है अब तक 1 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुका है। कुछ सेंटर्स पर तो सुबह के शो में 80% तक ऑक्यूपेंसी देखी गई है। तेलुगु वर्जन अभी केवल 10-15 स्क्रीन्स पर ही शुरू हुआ है, लेकिन फिर भी यह तेजी से 40 लाख के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है। 'रामायण' के लिए एक अच्छी बात यह रही है कि विदेशों में इसकी रिलीज से पहले ही काफी चर्चा है। उत्तरी अमेरिका में फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले, यानी 4 नवंबर को इसके 'पेड प्रिव्यू' रखे गए हैं।

शोले के सांभा की भांजी लेडी सुपरस्टार 90 के दशक की रही है फेसम हीरोइन आज मना रही है 54वां जन्मदिन

शोले के 'सांभा' की भांजी है ये हीरोइन

नई दिल्ली। शोले फिल्म में डाकू सांभा का किरदार निभाने वाले अभिनेता मैक मोहन को भला कौन भूल सकता है। बेशक मैक आज हम सबके बीच नहीं हैं, लेकिन सांभा (Sholay Sambha) के रोल के लिए वह सिनेमा जगत में हमेशा-हमेशा के लिए अमर रहेंगे। आज हम आपको मैक मोहन की भांजी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बॉलीवुड की लेडी सुपरस्टार के तौर पर जानी जाती हैं। 26 अक्टूबर को वह अदाकारा अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस लेख में जिस एक्ट्रेस के बारे में जिक्र किया जा रहा है, वह 90 के दशक की बड़ी एक्ट्रेसेज में शुमार रही है। उस दौरान उन्होंने कई बैक टू बैक हिट फिल्में भी दीं। आपको बता दें कि यहां बात अभिनेत्री रवीना टंडन (Raveena Tandon) के बारे में की जा रही हैं। जी हां रवीना और शोले के सांभा यानी अभिनेता मैक मोहन का काफी गहरा रिश्ता था।

दरअसल रवीना टंडन की मां वीना टंडन और मैक मोहन दोनों सगे भाई-बहन थे, इस आधार वह रवीना के मामा हुए। कई मीडिया इंटरव्यूज में रवीना टंडन ने इस बात का जिक्र किया है, वह अपने मामा के अभिनय की मुरीद थीं और उनकी मां उनके बारे में खूब बातें भी किया करती थी। इतना ही नहीं अपने मामा की वजह से ही रवीना के अंदर फिल्मी दुनिया में आने का जुनून जागा था। आज रवीना टंडन अपना 54वां जन्मदिन मना रही हैं। बतौर एक्ट्रेस उनका एक्टिंग करियर काफी शानदार रहा।

शादी से पहले बनीं मां

अभिनेत्री रवीना टंडन की निजी जिंदगी किसी फिल्मी स्टोरी से कम नहीं रही है। शादी से पहले दो बेटियों को गोद लेने की वजह से वह मां बन गई थीं। दरअसल साल 1995 में महज 21 साल की उम्र में रवीना ने पूजा और छाया नाम की दो बच्चियों को गोद लिया, जोकि उनकी दूर की रिश्तेदार की बेटियां थीं। इस तरह से शादी से पहले ही रवीना सिंगल मदर कहलाईं। हालांकि, 22 फरवरी 2004 को रवीना टंडन ने फिल्म अनिल थडानी संग शादी रचाई। इसके बाद रवीना बायोलॉजिकल तौर पर दो बच्चों की मां बनीं, जिनमें राशा और बेटा रणबीरवर्धन के नाम शामिल हैं।

शादी से पहले ही बन गई थीं मां, हिट फिल्मों की लगाई थी झड़ी

मुंबई में 3 बार की थी बंगले की रेकी, आमिर बाहर नहीं निकले तो टारगेट बदला

दावा : टाइगर श्रॉफ नहीं, आमिर खान थे शूटरों का असली निशाना

मुंबई। मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हमले की जांच कर रही पुलिस को बड़ा सुराग मिला है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि 20 सितंबर को हरियाणा से मुंबई आए शूटरों का असली निशाना आमिर खान थे।

लॉरेंस गैंग के इशारे पर मुंबई पहुंचे शूटरों ने आमिर खान के घर की तीन बार रेकी की थी, लेकिन शूटिंग और सुरक्षा के चलते आमिर तक पहुंचना मुश्किल था।

इसके बाद शूटरों ने आसानी से मिल जाने के कारण टाइगर श्रॉफ को अपना निशाना बना लिया। टाइगर अक्सर जुहू के पार्क में फुटबॉल खेलने आते थे। सलमान खान की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण उन तक पहुंचना नामुमकिन था, इसलिए गैंग ने आमिर खान को अपना मेन टारगेट बनाया था। पूरी खबर पढ़ें जांच में सामने आया है कि शूटरों ने अभिनेताओं के घरों का ठिकाना देखने के लिए 3,000 रुपए में एक कैब किराए पर ली थी। उन्होंने बांद्रा और अंधेरी में कई सितारों के घरों के चक्कर लगाए। शूटरों ने अंधेरी में तीन बार अपने होटल बदले और 14 से 18 अक्टूबर तक 'आर आर रेजीडेंसी' होटल में ठहरे। 18 अक्टूबर की शाम जब टाइगर श्रॉफ जुहू के पुष्पा नरसी पार्क में फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे, तब हमलावरों ने उनकी कार पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बांद्रा में आमिर खान और टाइगर श्रॉफ के घर कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर हैं। रेकी के दौरान शूटरों ने देखा कि टाइगर श्रॉफ अक्सर बिना किसी भारी सुरक्षा के बाहर निकलते हैं और रविवार को जुहू पार्क में फुटबॉल खेलने पहुंचते हैं। यही वजह है कि शूटरों ने आमिर खान का प्लान छोड़कर आसान टारगेट के रूप में टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का फैसला किया।

■ टाइगर श्रॉफ पर हमला 18 अक्टूबर को हुआ था। इससे पहले हमलावरों ने आमिर खान की रेकी भी की थी।

■ शूटर्स ने आमिर के बांद्रा स्थित इसी घर की रेकी की थी।

> पुलिस सूत्रों के अनुसार लॉरेंस गैंग ने जुलाई में सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए आमिर खान को धमकी दी थी।
>
> धमकी में आमिर और गौरी स्प्रैट की शादी को सनातन धर्म के खिलाफ बताया गया था और जल्द सबक सिखाने की बात कही गई थी।

आमिर की 3 बार रेकी की, लेकिन एक्टर नहीं दिखे

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 सितंबर को मुंबई पहुंचे शूटरों ने बांद्रा स्थित आमिर खान के घर के आसपास तीन बार रेकी की थी। हालांकि, आमिर खान ज्यादातर समय फिल्मों की शूटिंग के सिलसिले में बाहर रहते थे या कई दिनों तक घर से बाहर नहीं निकलते थे।

अक्टूबर के पहले हफ्ते में जब हमलावरों को आमिर पर अटैक करना संभव नहीं लगा तो उन्होंने अंधेरी में टाइगर श्रॉफ पर नजर रखनी शुरू कर दी।

ट्रम्प ने नोबेल न मिलने पर नॉर्वे को गाली दी

नाराजगी

बोले- वहां के लोगों को अमेरिका नहीं आने देना चाहता

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर एक बार फिर नाराजगी जताई है। उन्होंने नॉर्वे को गाली देते हुए कहा कि वे वहां से किसी को अमेरिका नहीं आने देना चाहते हैं।

ट्रम्प ने मिशिगन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैंने 8 जंग रुकवाई। फिर भी मुझे नोबेल नहीं मिला। मैं नॉर्वे से किसी को यहां आने देना नहीं चाहता।

ट्रम्प ने फ्रांस में हाल में हुई हिंसा के लिए प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद नॉर्वे की आलोचना करते हुए कहा कि वह एक घटिया देश बन गया है। ट्रम्प लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि उनके कूटनीतिक प्रयासों के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब सिर्फ ईरान और यूक्रेन जंग सुलझाने हैं।

ट्रम्प ने रविवार को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान नॉर्वे को गाली दी। इस दौरान उनके समर्थक तालियां बजा रहे थे।

ट्रम्प ने बताया कि पुरस्कार की घोषणा से पहले उन्हें उम्मीद थी कि यह सम्मान मिलेगा। उन्होंने अपनी पत्नी से भी कहा था कि नोबेल शांति पुरस्कार मिलना उनके लिए सम्मान की बात होगी।

2019 में पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें कई चीजों के लिए नोबेल मिलेगा, अगर पुरस्कार निष्पक्ष तरीके से दिया जाए। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ट्रम्प ने नोबेल का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से अपनी तुलना करते हुए कहा था कि अगर ओबामा को यह पुरस्कार मिल सकता है तो उन्हें भी मिलना चाहिए।

> **2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की नवी पिल्लै को मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस पर नाराजगी जताई थी। 9 अक्टूबर को उन्होंने पिल्लै पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्हें कोई नहीं जानता।**
>
> **ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने 8 युद्ध खत्म कराने में मदद की है और उन्हें एक नहीं, बल्कि 8 नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे।**

जुलाई 2025 में नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोल्टेनबर्ग से फोन पर बातचीत में ट्रम्प ने नोबेल पुरस्कार पाने की इच्छा जताई थी। यह जानकारी नॉर्वे के अखबार की रिपोर्ट के हवाले से आई थी।

नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने पर ट्रम्प नाराज हो गए थे।

शांति पुरस्कार नॉर्वे की सरकार नहीं देती

नोबेल शांति पुरस्कार का फैसला नॉर्वे की सरकार नहीं करती। विजेता का चुनाव स्वतंत्र नॉर्वेजियन नोबेल समिति करती है। इस समिति में पांच सदस्य होते हैं, जिन्हें नॉर्वे की संसद नियुक्त करती है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर पहले भी ट्रम्प को यह बात समझा चुके हैं कि पुरस्कार का फैसला सरकार नहीं करती।

ट्रम्प 2018 से नोबेल शांति पुरस्कार मांग रहे

ट्रम्प के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कोई नई बात नहीं है। अक्टूबर 2018 में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्हें शायद यह पुरस्कार कभी नहीं मिलेगा, भले ही ने कोरिया और सीरिया में शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हों।

इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने खुलकर अपनी दावेदारी रखी। कहा कि जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने उन्हें नोबेल के लिए नामित किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे कभी नहीं जीत पाऊंगा।

आज सोने की कीमत में गिरावट, चांदी महंगी हुई

सोना 340 गिरकर 1.41 लाख का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने के दाम में आज यानी 26 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 340 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है। वहीं चांदी की कीमत आज बढ़ी है। एक किलो चांदी की कीमत 635 रुपए बढ़कर 1.94 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक का सोच कर खरीदारी करें। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड

(BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली मारिया मचाडो वेनेजुएला लौटीं

7 बार लौटने में नाकाम रहीं, गिरफ्तारी का खतरा था

करोकस, एजेंसी

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो करीब 10 महीने बाद अपने देश लौट आई हैं। नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के बाद वे पिछले साल देश छोड़कर चली गई थीं। दिसंबर 2025 में वह नोबेल शांति पुरस्कार लेने छिपकर वेनेजुएला से नॉर्वे गई थीं।

इस साल की शुरुआत में अमेरिका ने वेनेजुएला में तख्तापलट कर दिया। इसके बाद भी गिरफ्तारी के खतरे की वजह से वे देश नहीं लौट पाई थीं।

मचाडो कुछ समय अमेरिका में रहीं फिर वे पनामा चली गई थीं। उनके करीबी लोगों ने बताया कि वे कम से कम 7 बार लौटने की कोशिश कर चुकी थीं, लेकिन

असफल रहीं।

अमेरिका ने सुरक्षा कारणों से उन्हें जल्दबाजी में नहीं लौटने की सलाह दी थी। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पनामा और कोलंबिया की सरकारों के बीच तालमेल बनाकर उनके लौटने की राह बनाई। 2024 के पिछले राष्ट्रपति चुनाव में मचाडो खुद उम्मीदवार नहीं बन पाई थीं। सरकार ने उन पर 15 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद उन्होंने अपनी जगह एडमंडो गोंजालेज को उम्मीदवार बनाया, जिन्हें विपक्ष का समर्थन हासिल था। विपक्ष का दावा है कि गोंजालेज ने चुनाव जीता था, लेकिन सरकार ने निकोलस मादुरो को विजेता घोषित कर दिया। अब मचाडो चाहती हैं कि वेनेजुएला में अगले साल जुलाई तक चुनाव करा लिए जाएं। वे खुद भी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहती हैं। फिलहाल देश की अंतरिम नेता डेल्सी रोड्रिगेज हैं। उन्होंने कहा है कि देश में चुनाव होंगे, लेकिन अभी इसकी तारीख नहीं बताई है। अमेरिकी सेना ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेल्सी रोड्रिगेज को अंतरिम नेता के तौर पर समर्थन दिया।

ट्रम्प समर्थक बोल्सोनारो को हराया, उनके पिता को भी हरा चुके, भारत के लिए यह जीत अहम

लूला दा सिल्वा चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति बने

ब्राजीलिया, एजेंसी

ब्राजील में लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थक फ्लावियो बोल्सोनारो को हराया है। लूला ने 2022 के चुनाव में फ्लावियो के पिता और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को भी हराया था।

पहले दौर की वोटिंग में लूला, फ्लावियो बोल्सोनारो से पिछड़ गए थे, लेकिन दूसरे दौर में बाजी पलट दी। फ्लावियो को पहले चरण में 47% वोट मिले थे। वहीं लूला को 45% वोट मिले थे।

1989 में ब्राजील में सीधे राष्ट्रपति चुनाव शुरू हुए थे। उसके बाद यह पहली बार हुआ, जब पहले

लूला द सिल्वा 2002 से 2010 तक लगातार दो बार राष्ट्रपति रहे। इसके बाद 2022 में राष्ट्रपति चुनाव जीते।

राउंड में दूसरे नंबर पर रहने वाला उम्मीदवार आखिरी राउंड में जीतकर राष्ट्रपति बना।

1. पहला चरण: ब्राजील में सभी उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं। अगर किसी को 50% से ज्यादा वोट मिल जाते हैं, तो वह सीधे राष्ट्रपति बन जाता है। अगर किसी को इतने वोट नहीं मिलते, तो सबसे ज्यादा वोट पाने वाले दो उम्मीदवार दूसरे चरण में पहुंचते हैं।

लूला दा सिल्वा राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर में वोट डालने के बाद मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए। तस्वीर 25 अक्टूबर 2026 की है।

लूला ने गरीबों और मजदूरों को राहत देने का वादा किया था

गरीब परिवारों को आर्थिक मदद देने वाली सरकारी योजना के तहत मिलने वाली रकम 15% बढ़ाने की बात कही। लूला ने वादा किया कि वीकेंड पर देशभर में सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त सफर की सुविधा दी जाएगी। इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी। उन्होंने गरीब परिवारों की आर्थिक हालत सुधारने, ज्यादा रोजगार के मौके पैदा करने और मजदूरों की जिंदगी बेहतर बनाने का वादा किया।

2. दूसरा चरण: इन दोनों उम्मीदवारों के बीच फिर से वोटिंग होती है। पहले चरण में बाहर हुए उम्मीदवारों के वोट अपने आप किसी को नहीं मिलते। दूसरे चरण में जिसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वही राष्ट्रपति बनता है।

पहले राउंड में जो उम्मीदवार हार गए, उनके समर्थकों को दूसरे राउंड में लूला या फ्लावियो में से किसी एक को वोट देना था।

जेल गए, चुनाव हारे, फिर सत्ता में लौटे लूला

लूला 2002 से 2010 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके हैं। दो बार लगातार राष्ट्रपति रहने के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। लूला का राजनीतिक सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 2018 में भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें जेल जाना पड़ा था। बाद में उनकी सजा रद्द कर दी गई। इसके बाद वे 2022 का चुनाव लड़े और राष्ट्रपति बने।

रूस में यूक्रेन का भीषण हमला, दो लोगों की मौत और 17 घायल

मॉस्को। रूस के वोरोनिश इलाके में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और एक बच्चे समेत 17 लोग घायल हो गए। वोरोनिश के गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने क्षेत्र में 113 ड्रोन मार गिराए हैं। गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने मैसेजिंग ऐप पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि रात भर चले हमलों के दौरान रूसी एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह सक्रिय रहा।

इलाके में 113 से अधिक ड्रोनों को नष्ट किया गया है। ड्रोन का मलबा गिरने और हमलों के कारण कई औद्योगिक क्षेत्रों में भीषण आग लग गई, जिस पर काबू पाने के लिए दमकल और आपातकालीन टीमें जुटी हुई हैं। रूसी रेलवे के अनुसार, इस हमले की चपेट में एक यात्री ट्रेन भी आ गई। यह ट्रेन क्रास्नोडार क्षेत्र के मशहूर पर्यटन शहर अनापा से राजधानी मॉस्को जा रही थी।

प्रधानमंत्री ने खुद इन्हें रखा था, इन पर लिखा था- बातचीत करें

अल्बानिया में छात्रों ने पीएम ऑफिस की कुर्सियां जलाईं

तिराना, एजेंसी

अल्बानिया में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने रविवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर रखी कुर्सियों में आग लगा दी। प्रधानमंत्री एदी रामा ने छात्रों से बातचीत करने के लिए ये कुर्सियां और पत्थर की एक बड़ी मेज रखवाई थी। कुर्सियों पर 'डायलॉग' यानी बातचीत लिखा था, लेकिन छात्रों ने बातचीत के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने कुर्सियों पर 'इस्तीफा' लिखकर अपना विरोध जताया।

राजधानी तिराना में छात्र और युवा पिछले 13 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को प्रदर्शनकारी पहले शिक्षा मंत्रालय के बाहर जुटे।

यहां उन्होंने कुछ देर तक प्रदर्शन किया और इमारत पर पत्थर भी फेंके। इसके बाद वे प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ गए और वहां रखी कुर्सियों में आग लगा दी। परियोजना से जुड़े प्रस्ताव में लग्जरी होटल, विला, अपार्टमेंट और नौकाओं के लिए बंदरगाह जैसी सुविधाएं शामिल हैं। पर्यावरण संगठनों को आशंका है कि बड़े निर्माण से समुद्र तट, आर्द्रभूमि और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंच सकता है। इस इलाके में प्रवासी पक्षियों के अलावा समुद्री कछुए और सील जैसे जीव भी पाए जाते हैं। पश्चिमी अल्बानिया के नार्ता लैगून क्षेत्र का इलाका। यहां जेरेड कुशनर से जुड़ी तटीय विकास की एक बड़ी परियोजना का विरोध हो रहा है। पश्चिमी अल्बानिया के नार्ता लैगून क्षेत्र का इलाका। यहां जेरेड कुशनर से जुड़ी तटीय विकास की एक बड़ी परियोजना का विरोध हो रहा है।

ट्रम्प के दामाद के लग्जरी रिसॉर्ट बनाने का भी विरोध

एदी रामा सरकार के खिलाफ शुरू हुआ विरोध अब भ्रष्टाचार, शिक्षा, रोजगार और पर्यावरण से जुड़े कई मुद्दों पर फैल गया है। इस विरोध की एक बड़ी वजह सरकारी अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर से जुड़ी लग्जरी रिसॉर्ट परियोजना को लेकर भी कई महीनों से नाराजगी है।

> **प्रधानमंत्री एडी रामा ने हिंसा और शहर में तोड़फोड़ रोकने के लिए नए कानूनी उपायों का ऐलान किया है। इसके तहत हिंसा में नुकसान उठाने वाले कारोबारियों को मुआवजा दिया जाएगा। छोटे कारोबारियों को नुकसान का पूरा मुआवजा मिलेगा, जबकि बड़े कारोबारियों को 70% रकम दी जाएगी।**

तिब्बत में फिर भूकंप, तीव्रता 5.9 रही

पिछले 5 दिनों में दूसरा बड़ा भूकंप

ल्हासा, एजेंसी

तिब्बत में रविवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई जमीन से 9 किलोमीटर नीचे थी।

तिब्बत में पिछले 5 दिनों में यह दूसरा बड़ा भूकंप आया है। इससे पहले 22 अक्टूबर को तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी।

वहीं, चीन के चिंघाई इलाके में 5.7 और नेपाल में भी 4.2 तीव्रता के झटके महसूस किए गए।

तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं।

जनवरी 2025 में तिब्बत के तिंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें तिब्बत में करीब 400 लोगों की मौत हुई थी, जबकि पड़ोसी नेपाल में 13 लोगों

की जान गई थी। इसके झटके उत्तर भारत समेत दक्षिण एशिया के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे।

इससे पहले 2010 में पड़ोसी चीनी प्रांत छिंगहाई के युशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें कम से कम 2,698 लोगों की मौत हुई थी और करीब 300 लोग लापता हो गए थे।

नेपाल के भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के मुताबिक, रविवार दोपहर बैतड़ी जिले के दिलासैनी इलाके में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह इलाका सुदूरपश्चिम प्रांत में नेपाल-भारत सीमा के पास है। भूकंप के झटके बैतड़ी और दार्चुला जिलों के आसपास के इलाकों में भी महसूस किए गए।

जश्न: पुतिन समर्थक पीएम पद के उम्मीदवार वुचिच हारे, देश में 2 साल से प्रदर्शन चल रहे

सर्बिया में छात्र संगठनों ने चुनाव जीता

बेलग्रेड, एजेंसी

सर्बिया में छात्र संगठनों के गठबंधन 'स्टूडेंट लिस्ट' ने चुनाव जीत लिया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के करीबी पूर्व राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच की पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। वे PM पद के उम्मीदवार थे। उन्होंने सितंबर में ही राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था।

वुचिच के मुताबिक, छात्र गठबंधन को संसद की 250 में से कम से कम 135 सीटें मिली हैं। वहीं, वुचिच की पार्टी को करीब 105 सीटें मिलने का अनुमान है।

नवंबर 2024 में सर्बिया के नोवी साद शहर के रेलवे स्टेशन की छतरी गिर गई थी। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार और हादसे के लिए

अलेक्जेंडर वुचिच की हार के बाद लोगों ने सड़कों पर जश्न मनाया।

जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर सवाल उठाए।

धीरे-धीरे आंदोलन बढ़ता गया। छात्र सरकार पर भ्रष्टाचार और सत्ता का गलत इस्तेमाल करने के आरोप लगाने लगे।

अलेक्जेंडर वुचिच 2014 से 2017 तक सर्बिया के प्रधानमंत्री रहे। 2017 में राष्ट्रपति बने और 2022 में दूसरी बार यह पद जीता। सर्बिया के संविधान के मुताबिक, कोई व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। इसलिए वुचिच तीसरी बार इस पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते थे।

बेलग्रेड में हजारों लोग जश्न मनाने सड़कों पर उतरे

वुचिच के हार मानने के बाद राजधानी बेलग्रेड समेत कई शहरों में लोगों ने जश्न मनाया। हजारों लोग सड़कों पर आ गए। लोगों ने सर्बिया के झंडे लहराए, गाड़ियों के हॉर्न बजाए और पटाखे फोड़े। जश्न मनाने वालों में बड़ी संख्या युवाओं की थी। चुनाव में करीब 70% लोगों ने वोट डाले। 1992 में यूगोस्लाविया के टूटने के बाद से यह सबसे ज्यादा मतदान वाले चुनावों में से एक माना जा रहा है।

उनका दूसरा कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन उन्होंने सितंबर 2026 में ही राष्ट्रपति पद छोड़ दिया। इसके बाद वे संसदीय चुनाव के जरिए फिर से सरकार की कमान संभालना चाहते थे। उनकी पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी (SNS) ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था।

सर्बिया में राष्ट्रपति देश के प्रमुख होते हैं, जबकि प्रधानमंत्री सरकार चलाते हैं। राष्ट्रपति पद पर दो कार्यकाल पूरे करने के बाद भी वुचिच प्रधानमंत्री बन सकते थे। इसी रास्ते से वे सत्ता में बने रहना चाहते थे।

अलेक्जेंडर वुचिच ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत स्लोबोदान मिलोशेविच की सरकार में सूचना मंत्री के तौर पर की थी।

> **छात्र गठबंधन को करीब 22 लाख वोट और वुचिच की पार्टी को 17.2 लाख वोट मिले। अंतिम आधिकारिक नतीजे अभी घोषित नहीं हुए हैं।**
>
> **छात्र संगठन पिछले 2 साल से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप था कि भ्रष्टाचार और तानाशाही की सरकार चल रही है।**

भारतीय नौसेना का पहला ट्रेनिंग स्क्वाड्रन पहुंचा श्रीलंका

कोलंबो, एजेंसी

भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन सोमवार को श्रीलंका पहुंचा। इसमें दो युद्धपोत और एक तटरक्षक जहाज शामिल हैं। यह तीन दिवसीय सद्भावना यात्रा है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना है। यह यात्रा एक लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा है। कोच्चि स्थित अपने बेस पोर्ट पर लौटने से पहले, यह स्क्वाड्रन सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया और मालदीव के माले में भी रुकेगा। यह स्क्वाड्रन भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र विदेशी नौसेनाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों को शुरुआती समुद्री प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह पहले प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी और आइएनएस 'तीर' के कमांडिंग आफिसर कैप्टन टीजो के. जोसेफ की कमान में है। भारतीय मिशन ने बताया कि श्रीलंका नौसेना के पांच प्रशिक्षु अधिकारी भी इस लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान में शामिल हो रहे हैं।

- **भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण स्क्वाड्रन श्रीलंका पहुंचा।**
- **तीन दिवसीय सद्भावना यात्रा समुद्री सहयोग को बढ़ावा देगी।**
- **श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारी भी प्रशिक्षण में शामिल।**

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96